राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

स्वतंत्र प्रभात

@swatantraprabhatmedia @swatantramedia RNI.No. UHIN/2012/43078 (epaper.swatantraprabhat.com) @SwatantraPrabhatonline news@swatantraprabhat.com

सीतापुर से प्रकाशित एंव अयोध्या ,प्रयागराज ,मिर्जापर ,गोरखपुर , बरेली ,बुंदेलखंड , उत्तराखंड , देहरादून

सीतापुर, मंगलवार, 13 जनवरी 2026

वर्ष 14, अंक 270, पृष्ट 04, मूल्यः 01 रुपया

www.swatantraprabhat.com

गाज़ियाबाद , दिल्ली , हरियाणा , चंडीगढ़ , झारखण्ड , बिहार , मध्य प्रदेश ,असम, तेलंगाना आदि जनपदो में प्रसारित

स्वतंत्र प्रभात दैनिक अख़बार तथा ऑनलाइन चैनल से सीधा जुड़ने के लिए संपर्क करें.....
9511151254

देवगांव में अलग अलग घरों से निकले दो अजगर, मचा हड़कंप..03

पत्नी को लेने पहुंचे युवक की ससुरालियों से मारपीट, दोनों पक्षों के लोग घायल..04

ईरान में इंदिरा गांधी की तरह उलझते दिखे डोनाल्ड ट्रंप, धड़ाधड़ चल रही मीटिंग, लेकिन सेना के जवाब से राष्ट्रपति हैरान

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप जहां खुले तौर पर ईरानी प्रदर्शनकारियों के समर्थन और कार्रवाई के संकेत दे रहे हैं, वहीं अमेरिका की सेना में इस पर गंभीर मंथन चल रहा है. सवाल यह नहीं है कि अमेरिका कदम उठाएगा या नहीं, बल्कि यह है कि कब और किस हद तक. इसी बीच ट्रंप को अमेरिकी सेना ने वही जवाब दिया है जो कभी सैम मानेकशॉ ने इंदिरा गांधी को कहा था. ये घटना इतिहास के उसे चर्चित मोड़ की याद दिलाता है, जिससे बांग्लादेश बना. यरुशलम पोस्ट की रिपोर्ट के मुताबिक अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान में सड़कों पर उतरे प्रदर्शनकारियों की मदद करने का मन बना लिया है. हालांकि अभी यह तय नहीं हुआ है कि यह मदद किस रूप में होगी और कब दी जाएगी. सूत्रों के अनुसार ट्रंप प्रशासन के भीतर बीते कुछ दिनों से लगातार बैठकों का दौर चल रहा है. रिपोर्ट के मुताबिक ट्रंप ने मूल रूप से यह फैसला कर लिया है कि अमेरिका ईरानी प्रदर्शनकारियों के साथ खड़ा होगा, लेकिन तरीका और समय अभी तय नहीं है।

ईरान में अमेरिका क्या-क्या कर सकता है?

शनिवार को ट्रंप ने सोशल मीडिया पर लिखा कि ईरान आजादी की ओर देख रहा है और अमेरिका मदद के लिए तैयार है. इसके बाद अमेरिका में चर्चाएं तेज हो गई. इन चर्चाओं में कई विकल्प रखे गए हैं, जिनमें सीधे सैन्य हमले से लेकर साइबर अटैक, इंटरनेट सपोर्ट और स्टारलिंक जैसी सैटेलाइट सेवाएं उपलब्ध कराने तक के सुझाव शामिल हैं. सूत्रों का कहना है कि ट्रंप प्रशासन यह नहीं मानता कि ईरानी शासन तुरंत खत्म होने वाला है, लेकिन यह जरूर माना जा रहा है कि बीते एक हफ्ते में अमेरिका को ऐसी दरारें नजर आई हैं जो पहले नहीं दिखती थीं. इंटरनेट ब्लैकआउट, प्रदर्शनकारियों की भारी संख्या और सुरक्षा बलों की सख्त कार्रवाई ने अमेरिका को दोबारा सोचने पर मजबूर कर दिया है।

क्या ईरान से सीधा भिड़ेगा इजरायल?

रिपोर्ट के मुताबिक ईरान की ओर से प्रदर्शनकारियों के खिलाफ की गई कार्रवाई में करीब 500 से ज्यादा लोगों की मौत की खबरों ने भी ट्रंप प्रशासन पर दबाव बढ़ाया है. इससे पहले अमेरिका को नहीं लगता था कि प्रदर्शन उस स्तर तक पहुंच गए हैं, जहां सरकार घबरा जाए. इसी बीच इजरायल ने भी ईरान की स्थिति पर हाई लेवल मीटिंग की है. प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने मंत्रियों और सुरक्षा अधिकारियों के साथ बैठक कर फैसला लिया कि इजरायल सार्वजनिक तौर पर दखल नहीं देगा और अमेरिका को आगे बढ़ने देगा. साथ ही यह भी तय किया गया कि अगर ईरान ध्यान भटकाने के लिए मिसाइल हमला करता है तो पूरी तैयारी रखी जाएगी।

इंदिरा गांधी की तरह कैसे उलझे ट्रंप?

ब्रिटिश न्यूज आउटलेट द टेलीग्राफ की रिपोर्ट्स के मुताबिक अमेरिकी रक्षा अधिकारियों ने ट्रंप के ईरान पर हमले के प्लान पर वही जवाब दिया है, जो सैम मानेकशॉ ने पूर्वी पाकिस्तान में हमले से पहले दिवंगत पीएम इंदिरा गांधी को दिया था. दरअसल 1971 में भारत-पाकिस्तान की जंग हुई थी. लेकिन उससे पहले पूर्वी पाकिस्तान (आज का बांग्लादेश) में हाल खराब थे. इंदिरा गांधी चाहती थीं कि मार्च में ही पूर्वी पाकिस्तान पर हमला किया जाए, तब जनरल सैम मानेकशॉ ने जवाब दिया था कि सेना तैयार नहीं है और उन्हें अभी अतिरिक्त समय चाहिए. बाद में जब भारत ने हस्तक्षेप किया तो बांग्लादेश एक आजाद देश बनकर उभरा. रिपोर्ट के मुताबिक ट्रंप भी चाहते हैं कि ईरान में जल्द से जल्द अमेरिका की कार्रवाई हो. रिपोर्ट के मुताबिक यूएस आर्मी ने ट्रंप को आगाह किया गया है कि यह जल्दबाजी होगी और ईरान पर किसी भी सैन्य कार्रवाई से पहले और समय चाहिए. सैन्य कमांडरों का कहना है कि अमेरिकी ठिकानों और सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत किए बिना हमला ईरान की जवाबी कार्रवाई को न्योता दे सकता है, जो भारी नुकसान का कारण बनेगी.

ट्रंप को कथित तौर पर तेहरान में गैर सैन्य ठिकानों और सुरक्षा एजेंसियों के नेताओं को निशाना बनाने जैसे विकल्पों पर भी ब्रीफ किया गया है. हालांकि अमेरिका के भीतर ही इस पर मतभेद हैं. कुछ सांसदों का मानना है कि सैन्य कार्रवाई उल्टा असर डाल सकती है और ईरानी जनता को सरकार के पक्ष में खड़ा कर सकती है. वहीं कुछ नेता चाहते हैं कि ट्रंप खुलकर प्रदर्शनकारियों को मजबूत करें और शासन को डराएं. ईरान ने साफ कर दिया है कि अगर अमेरिका ने हमला किया तो अमेरिकी सैन्य ठिकानों को निशाना बनाया जाएगा।

चीन के साथ गलबहियां कर फन उठा रहा बांग्लादेश, भारत ने कर दी कुचलने की तैयारी, जनरल रावत के प्लान पर एक्शन शुरू

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

चीन के साथ गलबहियां करके बांग्लादेश अब पुराने मददगार भारत के खिलाफ ही फन उठा रहा है. हालांकि दोनों देशों के बीच इस बढ़ते मेलजोल के बीच भारत ने अपनी पूर्वी सीमा पर तैयारी तेज कर दी है. भारतीय सेना अब जनरल बिपिन रावत के प्लान पर तेजी से अमल की दिशा में बढ़ रही है. इसी कड़ी में सेना के बहुप्रतीक्षित इंटीग्रेटेड बैटल ग्रुप (IBG) मॉडल को जल्द लागू करने की तैयारी अंतिम चरण में है, जिसकी शुरुआत चीन सीमा से सटे पनागढ़ स्थित 17वीं माउंटेन स्ट्राइक कॉर्प्स से की जा सकती है.

इंडियन एक्सप्रेस अखबार उच्च पदस्थ सूत्रों के हवाले से बताया कि सरकार की अंतिम मंजूरी मिलते ही 17वीं कॉर्प्स की 59वीं और 23वीं डिवीजनों से चार आईबीजी गठित किए जाएंगे. ये आईबीजी पूरी तरह आत्मनिर्भर, फुर्तीले और अत्याधुनिक लड़ाकू यूनिट होगी, जो सीमित समय में बड़े सैन्य अभियानों को अंजाम देने में सक्षम होंगे. यही कारण है कि इसे भारत की रणनीतिक 'कुचलने की तैयारी' के तौर पर देखा जा रहा है।

IBG में क्या कुछ होगा खास?

सेना के वरिष्ठ अधिकारियों के अनुसार, हर आईबीजी की कमान मेजर जनरल स्तर के अधिकारी के पास होगी और इनमें करीब 5,000 से अधिक सैनिक तैनात रहेंगे. खास बात यह है कि आईबीजी ढांचे में पारंपरिक ब्रिगेड कमांडर नहीं होंगे, जिससे कमांड और कंट्रोल ज्यादा तेज और प्रभावी होगा।

XVII माउंटेन स्ट्राइक कॉर्प्स सेना के चार स्ट्राइक कॉर्प्स में से एक है. यह सीधे तौर पर चीन के साथ वास्तविक नियंत्रण रेखा (LAC) की जिम्मेदारी संभालता है. 2021 के बाद इसे और मजबूत करने के लिए इसमें एक अतिरिक्त डिवीजन जोड़ी गई थी, ताकि पूर्वी थिएटर में भारत की सैन्य क्षमता को बढ़ाया जा सके. इस प्रस्तावित आईबीजी में पैदल सेना, आर्टिलरी रेजिमेंट, कॉम्बैट इंजीनियर्स, ईएमई, आर्मी सर्विस कॉर्प्स और फील्ड अस्पताल जैसी सभी जरूरी इकाइयां शामिल होंगी. जरूरत पड़ने पर ये यूनिट्स कॉर्प्स हेडक्वार्टर से लॉजिस्टिक और फायर सपोर्ट भी ले सकेंगी. इससे ये आईबीजी बेहद लचीले और बहुआयामी ऑपरेशन के लिए सक्षम बनेंगे।

जनरल बिपिन रावत का क्या था प्लान?

दरअसल, आईबीजी का पूरा कॉन्सेप्ट पूर्व आर्मी चीफ जनरल बिपिन रावत द्वारा शुरू की गई सेना के पुनर्गठन की चार बड़ी स्टडी में से एक का हिस्सा है. इसमें भैरव बटालियन, रुद्र ब्रिगेड, दिव्यास्त्र बैटरी और शक्तिबाण यूनिट जैसी नई संरचनाएं भी शामिल हैं. रुद्र ब्रिगेड पहले ही इसी तर्ज पर बनाई जा चुकी हैं. आईबीजी को रक्षात्मक और आक्रामक दोनों तरह के अभियानों के लिए डिजाइन किया गया है. विशेषज्ञों का मानना है कि पहाड़ी इलाकों में आईबीजी गेम-चेंजर साबित होंगे, क्योंकि पूरी कॉर्प्स को मूव करने में जहां लंबा समय लगता है, वहीं आईबीजी को बेहद कम समय में किसी भी संवेदनशील इलाके में तैनात किया जा सकता है. एक कॉर्प्स में करीब एक लाख सैनिक होते हैं, जबकि आईबीजी छोटे, चुस्त और तुरंत कार्रवाई में सक्षम होते हैं।

चीनी आर्म्स ब्रिगेड को भारत का जवाब

इस रणनीति का एक अहम पहलू यह भी है कि चीन पिछले एक दशक में अपनी पुरानी डिवीज़न प्रणाली छोड़कर छोटे लेकिन बेहद ताकतवर 'कम्बाइंड आर्म्स ब्रिगेड' मॉडल अपना चुका है. ये यूनिट्स टैंक, आर्टिलरी, एयर डिफेंस और सपोर्ट सिस्टम से लैस होती हैं. भारत का आईबीजी मॉडल उसी के जवाब में विकसित किया गया माना जा रहा है. ऐसे समय में जब बांग्लादेश चीन के साथ सैन्य और रणनीतिक नजदीकियां बढ़ा रहा है, भारत की यह तैयारी साफ संकेत देती है कि नई दिल्ली किसी भी मोर्चे पर दबाव या घेराबंदी को हल्के में लेने के मूड में नहीं है. जनरल बिपिन रावत के विजन पर तेजी से होता एक्शन बताता है कि भारत अब प्रतिक्रिया नहीं, बल्कि पूर्व-तैयारी की नीति पर आगे बढ़ रहा है।

संक्षिप्त ख़बरें

...तो मैं आपको सबक सिखाऊंगा, राज ठाकरे ने यूपी और बिहार के लोगों पर फिर दिया विवादित बयान

मुंबई. महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (एमएनएस) प्रमुख राज ठाकरे ने एक बार फिर अपने तीखे और विवादित बयानों से सियासी हलकों में हलचल मचा दी है. रविवार को एक सार्वजनिक सभा को संबोधित करते हुए राज ठाकरे ने उत्तर प्रदेश और बिहार से आए लोगों को लेकर बयान दिया और हिंदी भाषा को लेकर कड़ा रुख जताया. राज ठाकरे ने कहा कि यूपी और बिहार के लोगों को यह समझना चाहिए कि हिंदी महाराष्ट्र की भाषा नहीं है. उन्होंने स्पष्ट किया कि उन्हें हिंदी भाषा से नफरत नहीं है, लेकिन अगर इसे जबरन थोपने की कोशिश की गई तो वह इसका विरोध करेंगे. उन्होंने कहा, 'महाराष्ट्र में हर तरफ से लोग आ रहे हैं और यहां के लोगों का हिस्सा छीना जा रहा है. अगर जमीन और भाषा दोनों चली गई, तो मराठी समाज का सफाया हो जाएगा. ' एमएनएस प्रमुख ने मराठी अस्मिता का मुद्दा उठाते हुए कहा कि मौजूदा हालात मराठी भाषी लोगों के लिए गंभीर चेतावनी हैं. उन्होंने इसे 'मराठी मानुष का आखिरी चुनाव' करार देते हुए कहा कि अगर इस मौके पर एकजुटता नहीं दिखाई गई, तो भविष्य में हालात और बिगड़ सकते हैं. उन्होंने लोगों से मराठी और महाराष्ट्र के नाम पर एकजुट होने की अपील की. राज ठाकरे ने मुंबई के इतिहास का जिक्र करते हुए कहा कि यह शहर कई बलिदानों के बाद हासिल हुआ है और इसे यूं ही नहीं छोड़ा जा सकता. चुनाव को लेकर उन्होंने पार्टी कार्यकर्ताओं को सतर्क रहने के निर्देश दिए और कहा कि सुबह छह बजे नियुक्त किए गए बूथ लेवल एजेंट (बीएलए) चुनाव के दिन पूरी तरह तैयार रहें. उन्होंने कार्यकर्ताओं से सतर्कता बरतने, किसी भी तरह की लापरवाही न करने और कथित तौर पर दोबारा वोट डालने की कोशिश करने वालों पर नजर रखने की बात भी कही. उनके इस बयान के बाद राजनीतिक माहौल गरमा गया है और विभिन्न दलों की ओर से प्रतिक्रियाएं आने की संभावना जताई जा रही है।

'पहले खुद को जिंदा साबित करो, फिर आना...' नन्हें मेहमान के आने से पहले गर्भवती महिला पर खूद के वजूद का संकट

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

सरकारी दस्तावेज आज किसी भी व्यक्ति के अस्तित्व की सबसे बड़ी पहचान बन चुके हैं. लेकिन जब यही दस्तावेज किसी जिंदा इंसान को मृत घोषित कर दें, तो वह व्यक्ति पूरे सिस्टम के सामने बेबस हो जाता है. ऐसा ही चौंकाने वाला मामला छतरपुर जिले के बमीठा थाना क्षेत्र अंतर्गत इमलहा गांव से सामने आया है, जहां एक गर्भवती महिला को आधार रिकॉर्ड में मृत घोषित कर दिया गया. इमलहा गांव निवासी गीता रैकवार, जो इस समय गर्भवती हैं और घर में आने वाले नए मेहमान की तैयारियों में जुटी हैं, सरकारी रिकॉर्ड में 'मृत' दर्ज पाई गई. आधार की आधिकारिक वेबसाइट पर गीता रैकवार को मृत दिखाए जाने के कारण उनका आधार कार्ड सस्पेंड हो गया है. इसका असर यह हुआ कि वे किसी भी सरकारी योजना या सुविधा का लाभ लेने से वंचित हो गई हैं. मामला उस समय सामने आया जब गीता रैकवार अपने पति मंगलदीन रैकवार के साथ उज्ज्वला योजना के तहत गैस कनेक्शन के लिए आवेदन करने पहुंचीं. आवेदन के दौरान जब

आधार सत्यापन हुआ तो सिस्टम ने साफ संदेश दिया कि लाभार्थी सरकारी रिकॉर्ड में मृत है. योजना का लाभ मिलना तो दूर, दंपती को पहले 'खुद को जिंदा साबित करने' की सलाह दे दी गई. इसके बाद परिवार आधार सेंटर पहुंचा, जहां उन्हें बताया गया कि गीता रैकवार का नाम मृत्यु दर्ज कॉलम में दर्ज है और इसी वजह से उनका आधार कार्ड सस्पेंड कर दिया गया है. अधिकारियों ने स्पष्ट कहा कि जब तक यह एंट्री नहीं हटती, तब तक न कोई सरकारी योजना मिलेगी, न इलाज से जुड़ी सुविधाएं और न ही अन्य किसी प्रकार की सरकारी मदद. सुधार के नाम पर एक ही जवाब मिला कि मामला भोपाल या दिल्ली स्तर से ही ठीक हो सकता है. पिछले एक हफ्ते से गर्भवती महिला और उसका पति लगातार सरकारी दफ्तरों के चक्कर काट रहे हैं. कभी आधार सेंटर, कभी जनसेवा केंद्र और कभी ब्लॉक कार्यालय–हर जगह से एक ही जवाब मिल रहा है कि 'यहां से कुछ नहीं हो सकता.' सवाल सिर्फ यह नहीं है कि आधार रिकॉर्ड में इतनी बड़ी गलती कैसे हुई, बल्कि यह भी है कि इसकी सजा एक गर्भवती महिला और उसके परिवार को क्यों भुगतनी पड़ रही है. आखिरकार परेशान होकर दंपती ने बमीठा थाने में लिखित शिकायत दर्ज कराई. शिकायत में स्पष्ट रूप से उल्लेख किया गया है कि गीता रैकवार पूरी तरह जिंदा हैं और उनके आधार कार्ड में गलत तरीके से मृत्यु दर्ज कर दी गई है. अब दंपती को उम्मीद है कि पुलिस रिकॉर्ड और प्रशासनिक प्रक्रिया के माध्यम से आधार में दर्ज मौत की एंट्री हटाई जाएगी और गीता को फिर से एक जिंदा नागरिक के रूप में सरकारी पहचान मिल सकेगी. पति मंगलदीन रैकवार ने कहा, 'मेरी पत्नी जिंदा है, गर्भवती है, लेकिन कागजों में उसे मार दिया गया है. एक हफ्ते से भटक रहे हैं, कोई सुनने को तैयार नहीं.' पीड़ित गर्भवती महिला गीता रैकवार ने कहा, 'सरकारी रिकॉर्ड में मुझे मृत बता दिया गया है. इलाज और योजना सब रुक गई है, बस यही चाहती हूं कि मुझे जिंदा साबित किया जाए।'

यूपी: कांग्रेस ने मनरेगा बचाओ प्रदर्शनकारियों पर 'बर्बर लाठीचार्ज' के लिए सरकार की आलोचना की

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

कांग्रेस ने रविवार (11 जनवरी) को आरोप लगाया कि उत्तर प्रदेश में 'योगी-मोदी की ट्रबल इंजन' सरकार ने पुलिस को वाराणसी में पार्टी के राष्ट्रव्यापी 'मनरेगा बचाओ संग्राम' के तहत शांतिपूर्ण मार्च निकाल रहे नेशनल स्टूडेंट्स यूनियन ऑफ इंडिया (एनएसयूआई) प्रदर्शनकारियों पर 'क्रूरतापूर्वक लाठीचार्ज' करने का आदेश दिया. इस संबंध में कांग्रेस के संचार विभाग के प्रभारी महासचिव जयराम रमेश ने एक वीडियो क्लिप साझा की, जिसमें पुलिस को कथित तौर पर प्रदर्शनकारियों को धक्का देते और उनके खिलाफ बल प्रयोग करते हुए देखा जा सकता है. इस संबंध में जयराम रमेश ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के संसदीय क्षेत्र बनारस में एनएसयूआई के राष्ट्रीय अध्यक्ष और मेरे युवा सहयोगी वरुण चौधरी के नेतृत्व में छात्रों ने 'मनरेगा बचाओ संग्राम' मार्च निकाला. उन्होंने आगे आरोप लगाते हुए कहा, 'यह एक पूरी तरह शांतिपूर्ण और संवैधानिक अधिकारों के तहत किया गया लोकतांत्रिक प्रदर्शन था, लेकिन योगी मोदी की ट्रबल-इंजन सरकार को सवालों से इतनी घबराहट है कि उसने पुलिस के ज़रिये बेरहमी से लाठीचार्ज करा दिया.' मालूम हो कि एनएसयूआई कांग्रेस का छात्र संगठन है. इस घटना को लेकर कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी ने भी भाजपा पर निशाना साधा।

उन्होंने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, 'मनरेगा को खत्म करके करोड़ों मजदूरों से रोजगार का अधिकार छीनने के खिलाफ वाराणसी में शांतिपूर्ण ढंग से प्रदर्शन कर रहे

एनएसयूआई के छात्रों पर बर्बरतापूर्ण बलप्रयोग एवं गिरफ्तारी अत्यंत निंदनीय है. हम कड़े शब्दों में इस कायरतापूर्ण कार्रवाई की निंदा करते हैं.' उन्होंने आगे कहा, 'नरेंद्र मोदी सरकार करोड़ों मजदूरों से रोजगार का कानूनी अधिकार छीन रही है और आवाज उठाने वालों पर बल प्रयोग किया जा रहा है. कांग्रेस पार्टी का हर एक कार्यकर्ता इस अन्याय, अत्याचार और दमन के खिलाफ डटकर खड़ा है.' उल्लेखनीय है कि शनिवार (10 जनवरी) को कांग्रेस ने यूपीए सरकार के महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम (मनरेगा) को रद्द करने के विरोध में अपना 45 दिवसीय राष्ट्रव्यापी अभियान - मनरेगा बचाओ संग्राम - शुरू किया है. इस अभियान के तहत हर जिले में प्रेस कॉन्फ्रेंस आयोजित की गई।

विपक्ष का आंदोलन

विपक्षी दलों का आंदोलन, जिसमें विकसित भारत-रोजगार और आजीविका मिशन (ग्रामीण) (वीबी-जी राम जी) अधिनियम को वापस लेने और मनरेगा को उसके मूल स्वरूप में एक अधिकार-आधारित कानून के रूप में बहाल करने, काम के अधिकार और पंचायतों के अधिकार को बहाल करने की मांग की जा रही है, 25 फरवरी तक जारी रहेगा. इसके तहत शनिवार को सभी जिला मुख्यालयों में प्रेस कॉन्फ्रेंस आयोजित की गई, जिनमें संसद के शीतकालीन सत्र में मनरेगा को निरस्त करके उसके स्थान पर वीबी-जी राम जी अधिनियम लागू किए जाने के तरीके पर प्रकाश डाला गया. इसके बाद रविवार (11 जनवरी) को जिला मुख्यालयों में एक दिन का उपवास और प्रतीकात्मक विरोध प्रदर्शन किया गया. 12 से 29 जनवरी तक सभी ग्राम पंचायतों में चौपाल और जन संपर्क कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे, जिसके बाद 30 जनवरी को वार्ड स्तर पर शांतिपूर्ण धरने आयोजित किए जाएंगे ताकि काम के अधिकार की मांग को लेकर विरोध जताया जा सके. इस संबंध में पार्टी ने कहा है कि 7 से 15 फरवरी तक विधानसभाओं के राज्य स्तरीय घेराव आयोजित किए जाएंगे, जबकि राष्ट्रव्यापी आंदोलन के समापन से पहले 16 से 25 फरवरी के बीच चार बड़ी रैलियां आयोजित की जाएंगी।

कांग्रेस वीबी-जी राम जी कानून को पूरी तरह वापस लेने और मनरेगा को बहाल करने की मांग कर रही है.

पार्टी का कहना है कि निरस्त किए गए इन काले कृषि कानूनों के खिलाफ आंदोलन दिल्ली केंद्रित था, जबकि मनरेगा बचाओ संग्राम पंचायत, ब्लॉक, जिला और राज्य केंद्रित होगा. गौरतलब है कि वीबी-जी राम जी विधेयक को लोकसभा द्वारा पारित किए जाने के कुछ ही घंटों बाद 18 दिसंबर, 2025 को राज्यसभा में विरोध प्रदर्शनों के बीच ध्वनि मत से पारित कर दिया गया था. वहीं, इस विधेयक को 21 दिसंबर को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने अपनी मंजूरी दे दी थी, जिससे अब यह एक अधिनियम बन गया है, जिसमें प्रत्येक ग्रामीण परिवार को हर वित्तीय वर्ष में 125 दिनों का रोजगार सुनिश्चित करने की योजना है।

पश्चिम बंगाल: CM ममता बनर्जी ने EC को पांचवीं बार लिखा पत्र, वोटरों को प्रताड़ित करने और नियमों की अनदेखी का लगाया आरोप

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने एक बार फिर मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार को पत्र लिखा है. SIR के माहौल में मुख्यमंत्री द्वारा इस संबंध में लिखा गया यह पांचवां पत्र है. ममता ने एक बार फिर आम जनता को परेशान किए जाने का आरोप लगाया है और उन्होंने कई समस्याओं का जिक्र भी किया है।

ममता ने शनिवार को ज्ञानेश कुमार को चौथा पत्र भेजा था. तीन पन्नों के इस पत्र में उन्होंने कई सवाल पूछे थे. अमर्त्य सेन, जय गोस्वामी, मोहम्मद शमी और देव को सुनवाई के नोटिस क्यों भेजे गए? 77 लोगों की मौत की जिम्मेदारी कौन लेगा? जैसे सवाल उठाए थे. अब ममता का दावा है कि मतदाताओं द्वारा पात्रता साबित करने के लिए उचित दस्तावेज जमा करने के बावजूद उन्हें स्वीकार नहीं किया जा रहा है।

सीएम बोलीं- जमा दस्तावेजों की रसीद नहीं दी जा रही

पत्र में मुख्यमंत्री ने लिखा कि मतदाता अपनी पात्रता के सभी आवश्यक दस्तावेज जमा कर रहे हैं, लेकिन कई मामलों में जमा किए गए दस्तावेजों की कोई उचित रसीद या स्वीकृति नहीं दी जा रही है. बाद में, इन दस्तावेजों को 'नहीं मिला' या 'रिकॉर्ड में नहीं' बताया जा रहा है. मतदाताओं के नाम मतदाता सूची से हटाए जा रहे हैं. ममता बनर्जी ने आरोप लगाया कि इस तरह मतदाताओं को उनके अधिकारों से वंचित किया जा रहा है. उन्होंने आम जनता के साथ हो रही इस तरह की बदसलूकी को रोकने की अपील की।

'सुनवाई के लिए बुलाकर परेशान किया जा रहा है'

ममता ने यह सवाल भी उठाया कि माता-पिता और बच्चे की उम्र में 18-19 साल का अंतर होने पर ही सुनवाई के लिए बुलाकर बच्चे को क्यों परेशान किया जा रहा है. मुख्य चुनाव आयुक्त को लिखे अपने आखिरी पत्र में ममता ने लिखा कि जिन मतदाताओं के लिए सुनवाई का नोटिस जारी किया गया है, उन सभी का नाम 2002 की मतदाता सूची में दर्ज कर लिया गया है, इसलिए ऐसे मामलों में सुनवाई का नोटिस जारी करने की कोई आवश्यकता नहीं है।

अपने ही सुधारों की अनदेखी कर रहा EC- सीएम

मुख्यमंत्री ने कहा कि चुनाव आयोग अपने ही पिछले 20 सालों के वैधानिक सुधारों की अनदेखी कर रहा है. कभी किसी को तो कभी किसी को सुनवाई के लिए बुला ले रहा है. लोगों के पास कागजात मौजूद हैं फिर उन्हें आयोग की तरफ से जानबूझकर परेशान किया जा रहा है।

अमेरिकी राजदूत का बड़ा बयान: ट्रंप-मोदी की दोस्ती 'असली', मतभेद हों तो भी समाधान तय

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

भारत में अमेरिका के नामित राजदूत और दक्षिण व मध्य एशिया के विशेष दूत सर्जियो गोर ने सोमवार को अमेरिकी दूतावास परिसर में शपथ ली। इस सप्ताह वह भारत के राष्ट्रपति को अपने परिचय पत्र सौंपेंगे। इस मौके पर उन्होंने भारत-अमेरिका संबंधों को लेकर कई अहम बयान दिए। सर्जियो गोर ने कहा कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के बीच दोस्ती पूरी तरह वास्तविक है। उन्होंने कहा, 'मैं राष्ट्रपति ट्रंप के साथ दुनिया भर में यात्रा कर चुका हूं और मैं यह प्रमाणित कर सकता हूं कि प्रधानमंत्री मोदी के साथ उनकी दोस्ती सच्ची है। असली दोस्त मतभेद रख सकते हैं, लेकिन अंत में उन्हें सुलझा लेते हैं। 'उन्होंने भारत को 'एक असाधारण राष्ट्र' बताते हुए कहा कि उनका लक्ष्य दोनों देशों की साझेदारी को अगले स्तर

तक ले जाना है। गोर ने कहा कि यह दुनिया की सबसे पुरानी और सबसे बड़ी लोकतंत्र के बीच का संगम है। उन्होंने उम्मीद जताई कि राष्ट्रपति ट्रंप अगले एक-दो साल में भारत दौरे पर आ सकते हैं। भारत-अमेरिका व्यापार समझौते पर बात करते हुए गोर ने माना कि यह एक कठिन प्रक्रिया है, लेकिन दोनों पक्ष इसे अंतिम रूप देने के लिए प्रतिबद्ध हैं। उन्होंने कहा कि व्यापार के अलावा सुरक्षा, आतंकवाद-रोधी सहयोग, ऊर्जा, तकनीक, शिक्षा और स्वास्थ्य जैसे क्षेत्रों में भी सहयोग और मजबूत किया जाएगा।

इस दौरान सर्जियो गोर ने एक बड़ा ऐलान करते हुए कहा कि भारत को अगले महीने Pax Silica में पूर्ण सदस्य के रूप में आमंत्रित किया जाएगा। Pax Silica अमेरिका के नेतृत्व वाली एक रणनीतिक पहल है, जिसका उद्देश्य सुरक्षित और नवाचार-आधारित सिलिकॉन, सेमीकंडक्टर, AI और तकनीकी सप्लाई चेन तैयार करना है। इस पहल में पहले ही जापान, दक्षिण कोरिया, ब्रिटेन और इज़राइल शामिल हो चुके हैं। गोर ने कहा कि नई तकनीकों को अपनाते समय भारत और अमेरिका का साथ-साथ काम करना बेहद जरूरी है। उन्होंने भारत की जनता को नवाचारी, सहनशील और आध्यात्मिक बताते हुए कहा कि यह साझेदारी इस सदी की सबसे प्रभावशाली वैश्विक भागीदारी बन सकती है।

सड़कें अब बुद्धिमान: भारत की स्मार्ट सुरक्षा का नया युग

[टकराव नहीं, तालमेल: वी2वी तकनीक के साथ सुरक्षित ड्राइविंग]
[गति, दिशा और सुरक्षा की संवाद कला: भारत की नई सड़क क्रांति]

भारत की सड़कें आज भी जीवन और सुरक्षा के लिए जोखिमपूर्ण साबित हो रही हैं। हर साल लाखों लोग दुर्घटनाओं का शिकार होते हैं और अनगिनत परिवार टूट जाते हैं। वर्ष 2024 में देशभर में लगभग 1.77 लाख लोग सड़क दुर्घटनाओं में अपनी जान गंवा चुके हैं। इसका अर्थ है कि हर दिन औसतन 485 से अधिक लोग अपने घरों से कभी लौटकर नहीं आते। तेज गति, लापरवाही, हेलमेट न पहनना और यातायात नियमों की अवहेलना प्रमुख कारण हैं। युवा वर्ग (18-34 वर्ष) सबसे अधिक प्रभावित है, जो देश की आर्थिक और सामाजिक शक्ति का अहम हिस्सा है। इन भयावह आंकड़ों ने सरकार को मजबूर कर दिया कि वह सड़क सुरक्षा में क्रांतिकारी बदलाव लाए। केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने इसी जरूरत को ध्यान में रखते हुए 2026 तक पूरे देश में व्हीकल-टू-व्हीकल (वी2वी) संचार तकनीक लागू करने की ऐतिहासिक घोषणा की। यह तकनीक वाहनों को सीधे संवाद करने में सक्षम बनाएगी, बिना किसी मोबाइल नेटवर्क या इंटरनेट के। वी2वी तकनीक के माध्यम से वाहन आपस में गति, स्थिति, दिशा, ब्रेकिंग और त्वरण जैसी महत्वपूर्ण जानकारी साझा करेंगे। यदि कोई वाहन अचानक रुकता है, ब्लाइंड स्पॉट में प्रवेश करता है या किसी खतरे का सामना करता है, तो आसपास के सभी वाहन तुरंत चेतावनी पाएंगे। इस प्रकार, दुर्घटनाओं को पहले ही रोका जा सकेगा और लाखों जीवन सुरक्षित रहेंगे। वी2वी संचार प्रणाली पूर्णतः अत्याधुनिक वायरलेस तकनीक पर आधारित है। प्रत्येक वाहन में एक ऑन-बोर्ड यूनिट (ओबीयू) स्थापित की जाएगी, जो 5.875 से 5.905 गीगाहर्ट्ज़ बैंड में उपलब्ध 30 मेगाहर्ट्ज़ स्पेक्ट्रम का उपयोग करेगी। यह विशिष्ट स्पेक्ट्रम दूरसंचार विभाग द्वारा निःशुल्क आवंटित किया गया है। इस प्रणाली के माध्यम से वाहन रीयल-टाइम में एक-दूसरे के साथ महत्वपूर्ण सूचनाओं का आदान-प्रदान करेंगे, जिससे प्रतिक्रिया समय अत्यंत कम हो जाएगा। कई परिस्थितियों में यही कुछ सेकंड जीवन और मृत्यु के बीच का निर्णायक अंतर साबित होते हैं। विशेषज्ञों और विभिन्न मीडिया रिपोर्टों के अनुसार, यह तकनीक दुर्घटनाओं की संभावना को लगभग 80 प्रतिशत तक कम करने में सक्षम है, विशेष रूप से कोहरे, अत्यधिक यातायात और रियर-एंड टक्कर जैसी जोखिमपूर्ण स्थितियों में। सरकार ने इसे 2026 तक राष्ट्रीय स्तर पर लागू करने का स्पष्ट लक्ष्य रखा है। पहले चरण में यह केवल नए वाहनों में अनिवार्य होगा।

उसके बाद मौजूदा वाहनों में रेट्रोफिटिंग की जाएगी। अनुमानित परियोजना लागत लगभग 5,000 करोड़ रुपये है। प्रति वाहन उपकरण की लागत 5,000-7,000 रुपये के आसपास होने का अनुमान है। राज्य परिवहन मंत्रियों की वार्षिक बैठक में इस योजना पर व्यापक चर्चा हुई। दूरसंचार विभाग के साथ संयुक्त कार्यबल गठित किया गया है। वी2वी प्रणाली एडवांस्ड ड्राइवर असिस्टेंस सिस्टम (एडीएएस) के साथ पूरी तरह एकीकृत होगी। प्रीमियम वाहनों में पहले से मौजूद सेंसर-आधारित फीचर्स को भी नए मानकों से जोड़ा जाएगा। दुर्घटना पीड़ितों के लिए कैशलेस इलाज योजना (1.5 लाख रुपये तक, 7 दिनों के लिए) को राष्ट्रीय स्तर पर लागू किया जाएगा। वी2वी तकनीक के लाभ अत्यधिक व्यापक और दूरगामी हैं। कोहरे में बहु-वाहन टक्कर, रियर-एंड कोलिजन और स्थिर वाहनों से टकराव अब बड़ी संख्या में रोके जा सकेंगे। यातायात का प्रवाह सुचारू होगा, ईंधन की बचत होगी और वायु प्रदूषण में कमी आएगी। भारत जैसे विविध भूगोल वाले देश में–जहां पहाड़ी रास्ते, घुमावदार सड़कें, घना ट्रैफिक और मौसमी चुनौतियां आम हैं–यह प्रणाली विशेष रूप से उपयोगी साबित होगी। ड्राइवरों को अतिरिक्त प्रतिक्रिया समय मिलने से दुर्घटनाओं की गंभीरता कम होगी और जीवन रक्षा संभव होगी। कुल मिलाकर, यह तकनीक सुरक्षित, स्मार्ट और कुशल परिवहन प्रणाली की नींव रखेगी और नागरिकों की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देगी। हालांकि, इस योजना के कार्यान्वयन में चुनौतियां भी हैं। प्रारंभिक लागत, पुराने वाहनों में उपकरण इंस्टॉलेशन, डेटा गोपनीयता की चिंता, साइबर खतरों का जोखिम और सभी वाहनों में समान मानकीकरण प्रमुख बाधाएं हैं। सरकार ऑटोमोबाइल उद्योग, विशेषज्ञों और तकनीकी संस्थानों के साथ मिलकर इन समस्याओं का समाधान कर रही है। सफल परीक्षण और समयबद्ध क्रियान्वयन से इन चुनौतियों को प्रभावी ढंग से पार किया जा सकता है। इसके लिए व्यापक जनजागरूकता अभियान, प्रशिक्षित ड्राइवर प्रशिक्षण कार्यक्रम और सख्त नियमावली लागू करना आवश्यक होगा, ताकि रोलआउट सुचारू और सुरक्षित रूप से संभव हो सके। इस तकनीक से न केवल दुर्घटनाओं की संख्या घटेगी, बल्कि अनगिनत परिवारों को दुख, पीड़ा और तबाही से भी बचाया जाएगा। यह देश की अर्थव्यवस्था को मजबूत बनाएगी और सामाजिक सुरक्षा के ढांचे को और अधिक सुदृढ़ और प्रभावी करेगी। केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी की दूरदर्शिता और सरकार की सक्रियता अत्यंत सराहनीय है। अब समय आ गया है कि हम सभी इस तकनीक को अपनाएं और सुरक्षित यात्रा को अपनी आदत में बदलें। सुरक्षित सड़कें ही विकसित, समृद्ध और सुरक्षित भारत की असली नींव हैं।

वी2वी तकनीक केवल एक योजना नहीं, बल्कि हर भारतीय के जीवन की सुरक्षा, संरक्षा और सुरक्षित भविष्य का दृढ़ संकल्प है। भारत 2026 तक वी2वी तकनीक के रोलआउट से स्मार्ट, सुरक्षित और कुशल परिवहन की एक नई क्रांति की ओर कदम बढ़ाएगा। यह प्रणाली न केवल देश की सड़क सुरक्षा को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मजबूती देगी, बल्कि वैश्विक स्मार्ट मोबिलिटी मानकों में भारत को नेतृत्व दिलाकर उसे अग्रणी बनाएगी। जीवन की रक्षा, आर्थिक बचत और पर्यावरणीय सुरक्षा के साथ यह तकनीक हर भारतीय नागरिक के लिए सुरक्षा और भरोसे का वास्तविक वादा है। वर्तमान समय की चुनौती और आवश्यकता यही है कि हम इसे अपनाएं, ताकि सुरक्षित सड़कें सुनिश्चित हों और हर व्यक्ति का जीवन संरक्षित रह सके।

प्रो. आरके जैन

चीन की धार्मिक स्वतंत्रता पर पाबंदियों पर मुस्लिम और ईसाई बहुल देश खामोश क्यों ?

चीन आज दुनिया का एकमात्र ऐसा देश है जो आर्थिक, व्यापारिक, वैज्ञानिक और तकनीकी के हर क्षेत्र में विश्व की सबसे बड़ी महाशक्ति अमेरिका को सीधी चुनौती दे रहा है । यही कारण है कि अमेरिका सहित अधिकांश देश चीन के आंतरिक और बाह्य मामलों में हस्तक्षेप करने से बचते हैं। वर्तमान में चीन न केवल दुनिया की दूसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था है, बल्कि वह विश्व का सबसे बड़ा उपभोक्ता बाजार भी नियंत्रित करता है। भारत से मात्र दो वर्ष बाद स्वतंत्र हुआ चीन, आज विकास की दौड़ में भारत से कहीं आगे निकल चुका है। स्वतंत्रता के समय दोनों देशों की आर्थिक स्थिति लगभग समान थी, किंतु चीनी कम्युनिस्ट पार्टी ने प्रारंभ से ही एक ऐसा सख़्त और केंद्रीकृत विकास मॉडल अपनाया, जिसे सत्ता और विपक्ष दोनों को मानना अनिवार्य था। इसी बाज़ारवादी और विस्तारवादी नीति के बल पर चीन आज वैश्विक मुनाफे का केंद्र बन चुका है और अमेरिका के समकक्ष खड़ा दिखाई देता है। चीन की शासन व्यवस्था विश्व में अनोखी है । वहां संवैधानिक पदों पर आसीन व्यक्तियों के लिए नास्तिक होना अनिवार्य है । यद्यपि नागरिकों को सीमित व्यक्तिगत स्वतंत्रता दी गई है, लेकिन शासन पूरी तरह कम्युनिस्ट पार्टी के कठोर कानूनों के अधीन चलता है। चीनी संविधान के अनुसार केवल पांच धर्मों को मान्यता प्राप्त है और अन्य समुदायों को उन्हीं के अंतर्गत अपने धार्मिक आचरण को ढालना अनिवार्य होता है। चीन में रहने वाले मुस्लिम, ईसाई या अन्य अल्पसंख्यक समुदायों को सीसीपी के नियमों के अनुसार ही अपने धर्म का पालन करना पड़ता है। सरकार के विरुद्ध विरोध करना वहां लगभग आत्मघाती कदम माना जाता है। आधुनिक सोशल मीडिया युग में जहां दुनिया के हर कोने की खबरें पल-पल सामने आती हैं, वहीं चीन से बिना सरकारी अनुमति कोई समाचार बाहर आना अत्यंत दुर्लभ है। चीन में धार्मिक स्वतंत्रता की स्थिति अत्यंत चिंताजनक है। मुस्लिम पुरुष दाढ़ी नहीं रख सकते, महिलाएं बुर्का नहीं पहन सकतीं, मस्जिदों पर गुंबद और धार्मिक प्रतीकों पर रोक है तथा धार्मिक शिक्षा पर प्रतिबंध है। इसी प्रकार ईसाई समुदाय को भी क्रॉस पहनने, स्वतंत्र रूप से बिशप नियुक्त करने और बिना पंजीकरण धार्मिक गतिविधियां चलाने की अनुमति नहीं है। बौद्ध धर्म के प्रति भी चीन का रवैया दमनकारी रहा है, विशेषकर तिब्बत और दलाई लामा के संदर्भ में । इन तमाम पाबंदियों के बावजूद न तो कोई मुस्लिम बहुल देश और न ही ईसाई बहुल राष्ट्र चीन के खिलाफ खुलकर आवाज उठाते है। पाकिस्तान, जो स्वयं को दुनिया भर के मुसलमानों का रक्षक बताता है, उसने भी चीन में रह रहे उइगर मुसलमानों की स्थिति पर कभी विरोध दर्ज नहीं कराया। आर्थिक और कर्ज निर्भरता के कारण अनेक देश चीन के सामने मौन साधे हुए हैं। अंतरराष्ट्रीय रिपोर्टों के अनुसार, चीन की जेलों में इस समय बीस लाख से अधिक मुस्लिम अल्पसंख्यक विभिन्न आरोपों में बंद हैं। इसके बावजूद न कोई वैश्विक मानवाधिकार संगठन निर्णायक कदम उठाता है और न ही मुस्लिम नेतृत्व खुलकर विरोध करता है । विडंबना यह है कि चीन की दमनकारी नीतियों को वहां की बहुसंख्यक जनता का समर्थन प्राप्त है। यही कारण है कि वहां कम्युनिस्ट शासन के विरुद्ध कोई व्यापक आंदोलन नहीं दिखाई देता । चीन आज दुनिया का एकमात्र ऐसा देश है जहां कठोर नियंत्रण के कारण आतंकी संगठनों को पनपने का अवसर नहीं मिला, जबकि अमेरिका जैसे देश भी आतंकवाद से अछूते नहीं रहे । चीन में धार्मिक स्वतंत्रता पर लगाए गए प्रतिबंध स्पष्ट रूप से मानवाधिकारों के विरुद्ध हैं, लेकिन वैश्विक शक्तियों और धार्मिक ठेकेदारों की चुप्पी यह दर्शाती है कि महाशक्ति बनने के बाद नैतिकता और मानवता भी कूटनीति के सामने गौण हो जाती है।

अरविंद रावल

सुप्रीम कोर्ट की दहलीज़ पर बंगाल बनाम ईडी: संवैधानिक संस्थाओं, राजनीति और कानून के टकराव की कहानी

पश्चिम बंगाल में विधानसभा चुनावों से ठीक पहले इंडियन पॉलिटिकल एक्शन कमेटी (आई-पैक) के कोलकाता स्थित कार्यालय और उसके निदेशक प्रतीक जैन के आवास पर प्रवर्तन निदेशालय की छापेमारी ने राज्य और केंद्र के बीच पहले से चल रहे तनाव को खुलकर सामने ला दिया है। यह विवाद अब केवल राजनीतिक बयानबाज़ी तक सीमित नहीं रहा, बल्कि सुप्रीम कोर्ट तक पहुँच चुका है। एक ओर पश्चिम बंगाल सरकार ने कैविएट दाखिल कर अदालत से आग्रह किया है कि उसके पक्ष को सुने बिना कोई आदेश न दिया जाए, तो दूसरी ओर ईडी ने यह आरोप लगाते हुए शीर्ष अदालत का दरवाजा खटखटाया है कि राज्य सरकार और पुलिस प्रशासन उसकी वैधानिक जांच में बाधा डाल रहे हैं। यह टकराव भारतीय संघीय ढांचे, संवैधानिक संस्थाओं की स्वतंत्रता और चुनावी राजनीति के जटिल रिश्ते को उजागर करता है। ईडी का आरोप है कि कोयला तस्करी और मनी लॉन्ड्रिंग से जुड़े मामले में जब एजेंसी ने तलाशी अभियान चलाया, तब राज्य प्रशासन ने न केवल रुकावटें खड़ी कीं, बल्कि जांच की प्रक्रिया को प्रभावित करने की कोशिश भी की। एजेंसी का दावा है कि मुख्यमंत्री ममता बनर्जी स्वयं तलाशी स्थलों पर पहुँचीं और इस दौरान कुछ महत्वपूर्ण दस्तावेज़ तथा इलेक्ट्रॉनिक उपकरण उनके कब्जे में ले लिए गए। ईडी के अनुसार, यह न केवल जांच में दखल है, बल्कि कानून व्यवस्था और संवैधानिक मर्यादाओं का भी उल्लंघन है। इसी आधार पर एजेंसी ने सुप्रीम कोर्ट से निष्पक्ष और बिना किसी दबाव के जांच की अनुमति देने की मांग की है। दूसरी तरफ, तृणमूल कांग्रेस और राज्य सरकार का कहना है कि ईडी की कार्रवाई राजनीतिक दुर्भावना से प्रेरित है। पार्टी का आरोप है कि चुनावी माहौल में विपक्षी दलों को निशाना बनाने के लिए केंद्रीय एजेंसियों का दुरुपयोग किया जा रहा है। ममता बनर्जी ने सार्वजनिक रूप से कहा कि ईडी अधिकारी सुबह छह बजे पहुँचे थे, जबकि वह स्वयं करीब साढ़े ग्यारह बजे मौके पर गईं। उनका तर्क है कि उन्होंने केवल यह सुनिश्चित करने के लिए हस्तक्षेप किया कि किसी के अधिकारों का हनन न हो और एजेंसी अपने अधिकार क्षेत्र से बाहर कदम न उठाए। ममता बनर्जी का यह भी कहना रहा है कि संवैधानिक संस्थाओं की जांच पर किसी को आपत्ति नहीं होनी चाहिए, बशर्ते वह निष्पक्ष और कानून के दायरे में हो। यहीं से यह विवाद एक नए मोड़ पर पहुँचता है। एक तरफ मुख्यमंत्री स्वयं कहती हैं कि संवैधानिक संस्थाओं की जांच पर आपत्ति नहीं होनी चाहिए, लेकिन दूसरी ओर उन पर आरोप है कि उन्होंने जांच प्रक्रिया में प्रत्यक्ष हस्तक्षेप किया। सवाल यह उठता है कि क्या किसी राज्य की निर्वाचित मुख्यमंत्री को यह अधिकार है कि वह जांच एजेंसी की कार्रवाई के दौरान मौके पर पहुँचकर हस्तक्षेप करे। भारतीय संविधान और कानून व्यवस्था की मूल भावना यही कहती है कि जांच एजेंसियाँ स्वतंत्र रूप से अपना काम करें और किसी भी प्रकार का दबाव, चाहे वह राजनीतिक हो या प्रशासनिक, स्वीकार्य नहीं है। कानून के जानकार मानते हैं कि यदि किसी व्यक्ति या सरकार को जांच एजेंसी की कार्यप्रणाली पर आपत्ति है, तो उसके लिए न्यायालय का रास्ता खुला है। सीधे तौर पर तलाशी या जांच में दखल देना कानून को हाथ में लेने जैसा माना जा सकता है। इस संदर्भ में ममता बनर्जी का व्यवहार केवल राजनीतिक नहीं, बल्कि संवैधानिक प्रश्न भी खड़ा करता है। आलोचकों का कहना है कि यह कदम न केवल एजेंसियों के मनोबल को प्रभावित करता है, बल्कि आम जनता के बीच यह संदेश भी देता है कि सत्ता में बैठे लोग कानून से ऊपर हैं। यह पूरा विवाद 2026 के विधानसभा चुनावों की पृष्ठभूमि में और भी संवेदनशील हो जाता है। तृणमूल कांग्रेस लंबे समय से बंगाल की सत्ता में है और ममता बनर्जी की छवि एक मजबूत, जुझारू नेता की रही है। लेकिन विपक्ष यह आरोप लगा रहा है कि आने वाले चुनावों में संभावित हार की आशंका ने राज्य सरकार को रक्षात्मक बना दिया है। आलोचकों के अनुसार, ममता बनर्जी अपने करीबी लोगों और राजनीतिक रणनीतिकारों को बचाने के लिए आक्रामक रुख अपना रही हैं, ताकि किसी भी तरह का कानूनी संकट चुनावी नुकसान का कारण न बने। इस नजरिए से देखा जाए तो ईडी की कार्रवाई के खिलाफ उनका प्रतिरोध राजनीतिक मजबूरी भी हो सकता है। ईडी और टीएमसी द्वारा एक-दूसरे के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराना इस टकराव को और गहरा करता है। एक तरफ केंद्रीय एजेंसी का आरोप है कि राज्य पुलिस ने जांच में सहयोग करने के बजाय बाधा उत्पन्न की, वहीं दूसरी तरफ राज्य सरकार का कहना है कि ईडी ने अपने अधिकार क्षेत्र से बाहर जाकर कदम उठाए। यह स्थिति भारतीय संघवाद के उस नाजुक संतुलन को दर्शाती है, जहाँ केंद्र और राज्य दोनों अपने-अपने अधिकारों की व्याख्या अपने हितों के अनुसार करते हैं। सुप्रीम कोर्ट की भूमिका ऐसे मामलों में निर्णायक होती है। कैविएट दाखिल करने का उद्देश्य ही यही है कि अदालत किसी भी पक्ष की बात सुने बिना कोई अंतरिम आदेश न दे। इससे यह स्पष्ट होता है कि बंगाल सरकार भी इस मामले को कानूनी लड़ाई के रूप में लड़ना चाहती है। वहीं ईडी का शीर्ष अदालत का रुख करना यह संकेत देता है कि एजेंसी स्वयं को असुरक्षित और बाधित महसूस कर रही है। यह टकराव अब केवल एक छापेमारी का मामला नहीं रहा, बल्कि यह इस सवाल का प्रतीक बन गया है कि भारत में संवैधानिक संस्थाओं की स्वतंत्रता और राजनीतिक सत्ता के बीच संतुलन कैसे कायम रखा जाए। ममता बनर्जी के समर्थक यह तर्क देते हैं कि केंद्र सरकार विपक्ष शासित राज्यों में एजेंसियों का इस्तेमाल राजनीतिक हथियार के रूप में कर रही है। उनका कहना है कि यदि वास्तव में भ्रष्टाचार के खिलाफ निष्पक्ष कार्रवाई होती, तो सत्तारूढ़ दलों से जुड़े मामलों में भी उतनी ही सख्ती दिखाई जाती। लेकिन इसके विपरीत, आलोचक यह सवाल उठाते हैं कि यदि राज्य सरकार और मुख्यमंत्री को अपनी निष्पक्षता पर भरोसा है, तो वे जांच से डर क्यों रही हैं। संवैधानिक संस्थाओं की जांच का विरोध या उसमें हस्तक्षेप करना अपने ही तर्क को कमजोर करता है। इस पूरे प्रकरण में एक महत्वपूर्ण बात यह भी है कि लोकतंत्र में कानून का राज सर्वोपरि होता है। चाहे कोई कितना ही बड़ा नेता क्यों न हो, उसे कानून के दायरे में रहकर ही अपनी बात रखनी चाहिए। यदि मुख्यमंत्री स्वयं तलाशी स्थलों पर पहुँचकर जांच प्रक्रिया में हस्तक्षेप करती हैं, तो यह उदाहरण आम नागरिकों के लिए क्या संदेश देता है। यह स्थिति उस सिद्धांत के विपरीत है, जिसमें कहा गया है कि कानून सबके लिए समान है। अंततः सुप्रीम कोर्ट के सामने यह मामला केवल बंगाल बनाम ईडी का नहीं है, बल्कि यह भारत की संवैधानिक व्यवस्था की कसौटी भी है। अदालत को यह तय करना होगा कि जांच एजेंसियों को किस हद तक स्वतंत्रता दी जाए और राज्यों के अधिकारों की सीमा कहाँ तक है। साथ ही यह भी स्पष्ट करना होगा कि किसी निर्वाचित सरकार का कर्तव्य जांच में सहयोग करना है, न कि उसे प्रभावित करना। ममता बनर्जी स्वयं कह चुकी हैं कि संवैधानिक संस्थाओं की जांच पर किसी को आपत्ति नहीं होनी चाहिए। यदि इस कथन को गंभीरता से लिया जाए, तो यह अपेक्षा भी बनती है कि व्यवहार में भी वही सिद्धांत अपनाया जाए। 2026 के चुनावों की छाया में यह विवाद और भी राजनीतिक रंग ले सकता है, लेकिन अंत में फैसला कानून और संविधान के आधार पर ही होना चाहिए। यदि राजनीति कानून पर हावी हो गई, तो लोकतंत्र कमजोर पड़ेगा। इसलिए यह आवश्यक है कि चाहे ईडी हो या राज्य सरकार, दोनों संविधान की मर्यादा में रहकर काम करें। यही इस पूरे विवाद से निकलने वाला सबसे बड़ा सबक है।

कांतिलाल मांडोत

संपादकीय

एक समाज, जो बेटियों को सुरक्षित नहीं, नियंत्रित करता है

सुरक्षा का तर्क, समाज की चुप्पी और बेटियों का संघर्ष
जब सुरक्षा का अर्थ बेटी की स्वतंत्रता पर पहरा बन जाए

'सुरक्षा' एक ऐसा शब्द है, जिसे सुनते ही मन में भरोसे और संरक्षण की छवि उभरती है। यही शब्द माता-पिता की सबसे बड़ी ढाल माना जाता है और यही समाज की सबसे बड़ी दलील भी। लेकिन जब यह शब्द बेटी की आज़ादी छीनने का माध्यम बन जाए, तब इसका अर्थ बदल जाता है। तब सुरक्षा एक ऐसा ताला बन जाती है, जो बेटी के सपनों, इच्छाओं और आत्मसम्मान पर जड़ दिया जाता है। यह ताला दिखाई नहीं देता, पर इसका बोझ हर सांस के साथ महसूस होता है। बेटी को बताया जाता है कि यह सब उसके भले के लिए है, जबकि असल में यह उसके अस्तित्व पर नियंत्रण की प्रक्रिया होती है। भारतीय समाज में बेटी को आज भी एक स्वतंत्र व्यक्ति की बजाय परिवार की प्रतिष्ठा से जोड़कर देखा जाता है। उसकी चाल, पहनावा, दोस्ती और निर्णय–सब पर निगाह रखी जाती है। जैसे ही बेटी अपने जीवन के फैसले खुद लेने की बात करती है, 'सुरक्षा' का तर्क सामने खड़ा कर दिया जाता है। प्रेम, विवाह, शिक्षा या करियर–हर क्षेत्र में उसकी आज़ादी सीमित कर दी जाती है। यह सीमाएँ परिवार द्वारा खींची जाती हैं और समाज द्वारा स्वीकार कर ली जाती हैं। यही स्वीकृति इस समस्या को और गहरा बनाती है। इस तथाकथित सुरक्षा का सबसे खतरनाक पहलू यह है कि इसे प्रेम का रूप देकर प्रस्तुत किया जाता है। माता-पिता कहते हैं कि दुनिया बहुत खराब है, इसलिए बेटी को घर में रखना ज़रूरी है। लेकिन सवाल यह है कि क्या दुनिया केवल बेटी के लिए ही खराब है? बेटे भी उसी दुनिया में रहते हैं, वही रास्ते तय करते हैं, वही जोखिम उठाते हैं। फर्क सिर्फ़ इतना है कि बेटी को कमजोर और असहाय मान लिया जाता है, और यही मान्यता उसकी आज़ादी की सबसे बड़ी दुश्मन बन जाती है। यह कैद केवल दरवाज़े बंद करने तक सीमित नहीं होती। यह सोच, भावनाओं और निर्णयों पर भी पहरा बिठा देती है। बेटी से बार-बार कहा जाता है कि वह समझदार बने, समाज की बात माने, परिवार की इज़्ज़त रखे। धीरे-धीरे वह अपने मन की बात कहना छोड़ देती है। सवाल पूछना, विरोध करना या अपनी इच्छा जताना उसे अपराध जैसा लगने लगता है। यह मानसिक कैद शारीरिक कैद से कहीं अधिक खतरनाक होती है, क्योंकि इसमें सलाखें दिखाई नहीं देतीं, लेकिन रास्ते पूरी तरह बंद हो जाते हैं। ग्रामीण क्षेत्रों में यह समस्या परंपरा और जाति की कठोर दीवारों से और भी मज़बूत हो जाती है। प्रेम विवाह या अंतरजातीय संबंधों के मामलों में बेटियों को घर में बंद कर देना, मोबाइल छीन लेना या बाहर निकलने से रोक देना वहाँ सामान्य व्यवहार माना जाता है। कई बार यह कैद महीनों नहीं, बल्कि वर्षों तक चलती है। शहरों में इसका रूप थोड़ा बदला हुआ दिखता है, लेकिन सार वही है। यहाँ बेटी को 'आधुनिक सुरक्षा' के नाम पर निरंतर निगरानी में रखा जाता है–लोकेशन ट्रैकिंग, समय की सख्त पाबंदी और हर निर्णय पर सवाल। फर्क सिर्फ़ दिखावे का है, सोच वही पुरानी है। कानून इस पूरी व्यवस्था के विपरीत खड़ा है। भारतीय संविधान हर महिला को जीवन और व्यक्तिगत स्वतंत्रता का अधिकार देता है। बालिग बेटी को अपने जीवन के निर्णय स्वयं लेने का पूरा हक़ है। इसके बावजूद, जब मामला परिवार का बताकर पेश किया जाता है, तो कानून कई बार मौन हो जाता है। पुलिस और प्रशासन अक्सर माता-पिता की बात को ही अंतिम मान लेते हैं, जबकि बेटी की सहमति और इच्छा को नज़रअंदाज़ कर दिया जाता है। यहीं कानून और समाज के बीच का टकराव साफ दिखाई देता है, और दुर्भाग्य से अक्सर समाज हावी हो जाता है। इस कैद का मनोवैज्ञानिक प्रभाव बेहद गहरा और दीर्घकालिक होता है। आत्मविश्वास टूटता है, आत्मसम्मान कमजोर पड़ता है और भविष्य को लेकर डर पैदा होता है। कई बेटियाँ अवसाद, चिंता और अकेलेपन का शिकार हो जाती हैं। पढ़ाई और करियर पर इसका सीधा असर पड़ता है, क्योंकि उनकी ऊर्जा अपने अधिकारों की रक्षा में ही समाप्त हो जाती है। परिवार इसे अस्थायी कदम मानता है, लेकिन बेटी के लिए यह अनुभव जीवन की दिशा बदल देता है। समाज की दोहरी मानसिकता इस समस्या को और अधिक जटिल बना देती है। एक ओर बेटियों को देवी कहकर पूजने की परंपरा है, तो दूसरी ओर उन पर भरोसा करने से गहरा संकोच भी है। फिल्मों, धारावाहिकों और लोककथाओं में आज भी 'आदर्श बेटी' वही दिखाई जाती है, जो चुप रहे, सहन करे और कभी सवाल न उठाए। यही सांस्कृतिक संदेश पीढ़ी दर पीढ़ी दोहराया जाता है, जिससे नियंत्रण को नैतिकता और दमन को संस्कार का सम्मानजनक नाम मिल जाता है। इस अंधेरे के बीच बदलाव की कुछ स्पष्ट किरणें भी दिखाई देती हैं। शिक्षा, सोशल मीडिया और जागरूकता अभियानों ने बेटियों को अपनी बात रखने का साहस दिया है। अनेक संगठन और मंच ऐसे हैं, जो कानूनी सहायता के साथ-साथ मानसिक संबल भी प्रदान कर रहे हैं। फिर भी यह प्रयास पर्याप्त नहीं हैं। जब तक समाज की सामूहिक सोच नहीं बदलेगी, तब तक 'सुरक्षा' का यह पिंजरा नए-नए रूपों में बना ही रहेगा। शिक्षा इस समस्या की जड़ पर सीधा प्रहार करती है। शिक्षित बेटी न केवल अपने अधिकार पहचानती है, बल्कि उन्हें हासिल करने का आत्मबल भी जुटाती है। उतना ही ज़रूरी है माता-पिता और समाज की मानसिक शिक्षा। जब यह समझ विकसित होगी कि सुरक्षा का अर्थ संदेह या नियंत्रण नहीं, बल्कि विश्वास, संवाद और समर्थन है, तब बेटियों को कैद करने की प्रवृत्ति स्वतः समाप्त होने लगेगी। स्कूलों और परिवारों में समानता और सम्मान की भावना को सुदृढ़ करना आज की सबसे बड़ी आवश्यकता है। आर्थिक स्वतंत्रता भी इस संघर्ष का एक अत्यंत महत्वपूर्ण हथियार है। आत्मनिर्भर बेटी न केवल अपने निर्णय स्वयं लेने में सक्षम होती है, बल्कि अन्याय के विरुद्ध खड़े होने का साहस भी जुटा पाती है। रोजगार, व्यावसायिक कौशल और आगे बढ़ने के अवसर उसे मानसिक व सामाजिक मजबूती देते हैं। जब बेटी आर्थिक रूप से सशक्त होती है, तब 'सुरक्षा' के नाम पर लगाए गए ताले अपने आप कमजोर पड़ने लगते हैं और नियंत्रण की जगह आत्मविश्वास ले लेता है। 'सुरक्षा' के नाम पर बेटी को जेल में रखना मात्र पारिवारिक विषय नहीं, बल्कि एक गहरा और गंभीर सामाजिक अन्याय है। यह पितृसत्तात्मक सोच की वही कठोर दीवार है, जिसे तोड़े बिना समानता और न्याय की कल्पना अधूरी रहती है। सच्ची सुरक्षा बंद दरवाज़ों में नहीं, बल्कि खुले अवसरों और विश्वास में निहित है। बेटी को उड़ने का अधिकार दिया जाए, उस पर भरोसा किया जाए और उसकी स्वतंत्रता का सम्मान किया जाए। तभी समाज वास्तव में सुरक्षित, संवेदनशील और प्रगतिशील कहलाने के योग्य बन सकेगा।

कृति आरके जैन

वैश्विक युद्ध की प्रेत-छाया में व्यापारिक द्वंद का दौरा

ताकतवर देशों की आर्थिक सिरमौर बनने की चाहत

वर्तमान वैश्विक परिदृश्य व्यापारिक संप्रभुता और विश्व की अर्थव्यवस्था में सिरमौर बनने के प्रयासों की ओर बढ़ रहा है। इस समय विश्व व्यवस्था की परिघटना में एक ऐतिहासिक मोड़ आ गया है जहाँ शांतिपूर्ण सहयोग और आर्थिक प्रतिस्पर्धा, युद्ध की परंपरागत विधि की अपेक्षा पहले से कहीं अधिक निर्णायक भूमिका निभा रहे हैं। आज 21वीं सदी में पारंपरिक 'भौतिक युद्ध' के स्थान पर देश व्यापार युद्ध, आर्थिक प्रतिस्पर्धा और नीतिगत टकराव के माध्यम से अपनी शक्ति, प्रतिष्ठा और वैश्विक प्रभाव को बढ़ाने में लगे हैं। यह स्पष्ट है कि अब विश्व युद्ध नहीं, बल्कि व्यापार युद्ध होने की संभावना अधिक है, क्योंकि दुनिया के अधिकांश प्रमुख देशों ने इस दिशा में अपने कदम बढ़ा दिए हैं। आज विश्व अर्थव्यवस्था में शक्ति संतुलन का निर्धारण केवल सैन्य बल से नहीं होता बल्कि आर्थिक ताकत, वैश्विक व्यापार नीति, निवेश सहयोग एवं तकनीकी नेतृत्व से होता है। अमेरिका, चीन, रूस, ब्रिटेन, फ्रांस, कनाडा, ऑस्ट्रेलिया और भारत जैसे प्रमुख देश अब सीधे युद्ध की बजाय आर्थिक रणनीतियों, शुल्क, व्यापार समझौतों, बाजारों तक पहुंच और पूंजी आकर्षण की लड़ाई में लगे हैं। आज अमेरिका ने 2025 में भारत सहित लगभग 68 देशों के खिलाफ बड़े पैमाने पर आयात शुल्क (टैरिफ) लगाए, जिनका उद्देश्य अपने व्यापार घाटे को कम करना और घरेलू उद्योगों को बढ़ावा देना है, जबकि इसी कदम ने वैश्विक अनिश्चितता को बढ़ाया है । अमेरिका और चीन के बीच पहले से चले आ रहे व्यापार तनाव ने व्यापार युद्ध की अवधारणा को मज़बूती दी है, जहाँ दोनों देश एक-दूसरे के उत्पादों पर शुल्क बढ़ा रहे हैं। इससे वैश्विक व्यापार नेटवर्क प्रभावित हो रहे हैं और कई उद्योगों में अस्थिरता आ रही है। अमेरिका-चीन के बीच यह टकराव केवल शुल्कों तक सीमित नहीं रहा, बल्कि तकनीकी नियंत्रण, निवेश प्रतिबंध और आपूर्ति श्रृंखला पुनर्गठन जैसे मुद्दों पर भी उभर रहा है, जिससे वैश्विक अर्थव्यवस्था की प्रवाहशीलता पर असर पड़ा है। इस प्रतिस्पर्धा की पृष्ठभूमि में प्रत्येक देश अपनी आर्थिक स्थिति मजबूत करने के लिए नीतिगत परिवर्तन कर रहा है। भारत ने निर्यात को बढ़ावा देने के लिए 2024-25 में निर्यात में लगभग 15.52% की वृद्धि दर्ज की है, जिससे इसके व्यापार घाटे में भी उल्लेखनीय कमी आई है। भारत के निर्यात में मर्चेंडाइज और सेवा दोनों का योगदान रहा है और यह वैश्विक बाजार में उसकी प्रतिस्पर्धात्मक स्थिति को मजबूती देता है। अमेरिका, जो समय-समय पर 'अमेरिका फर्स्ट' जैसी नीति अपनाता रहा है, वह अपने घरेलू उद्योगों की रक्षा करते हुए उच्च टैरिफ लागू करता है, जिससे उसके व्यापारिक साझेदारों को आर्थिक संतुलन में बदलाव का सामना करना पड़ता है। अमेरिका के इस कदम से न केवल चीन, बल्कि भारत और यूरोपीय देशों के साथ भी तनाव उत्पन्न होने का खतरा बढ़ रहा है। अमेरिका का लक्ष्य लंबे समय से अपने व्यापार घाटे को कम करना रहा है, जो लगभग 1.2 ट्रिलियन डॉलर का रहा है, और इसी वजह से टैरिफ नीति का सहारा लिया जा रहा है। चीन की स्थिति भी दिलचस्प है, जो अब विश्व की दूसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने के साथ अपनी वैश्विक पहुंच और तकनीकी क्षमता का विस्तार कर रहा है। चीन बेल्ट एन्ड रोड (बीआरआई) के जरिए कई देशों को अपनी आर्थिक परिधि में लाने का प्रयास कर रहा है, जबकि अमेरिका उसे रणनीतिक प्रतिद्वंद्वी के रूप में देख रहा है। भारत ने हमेशा आधिकारिक तौर पर कहा है कि वह गुटनिरपेक्ष राजनीति और शांति की दिशा में विश्वास रखता है। भारत का रुख पारंपरिक सैन्य आक्रामकता से अलग है; वह व्यापार, निवेश, आर्थिक सुधार और तकनीकी नवाचार के माध्यम से विश्व में शांति एवं विकास का संदेश देना चाहता है। भारत जैसे उभरते बाजार देश ने व्यापार समझौतों पर जोर दिया है और उसने अनेक मुक्त व्यापार व साझेदारी समझौते किए हैं, जिनसे उसके निर्यात को बाज़ारों तक पहुंचाने में मदद मिली है और वैश्विक भागीदारों के साथ उसके संबंध मजबूत हुए हैं। दूसरी तरफ, पश्चिम एशियाई खाड़ी देश, जैसे सऊदी अरब, संयुक्त अरब अमीरात आदि, मुख्य रूप से तेल और ऊर्जा व्यापार में व्यस्त हैं। इन देशों की अर्थव्यवस्थाएं कच्चे तेल पर निर्भर हैं और तेल की कीमतों तथा वैश्विक ऊर्जा मांग पर उनकी आर्थिक स्थिति काफी हद तक टिकी हुई है। वे अपने संसाधनों का उपयोग वैश्विक निवेश और ऊर्जा सुरक्षा पर दबदबा बनाए रखने के लिए कर रहे हैं। इस क्षेत्र में आंतरिक विद्रोह, राजनीतिक अस्थिरता और आर्थिक विविधीकरण की चुनौतियों के बीच इन देशों की नज़र वैश्विक आर्थिक संतुलन और निवेश आकर्षण पर टिके हुए हैं। ब्रिटेन, फ्रांस और कनाडा जैसे विकसित देश भी रक्षा और रणनीतिक सहयोग से अधिक आर्थिक सुधार और वैश्विक व्यापार में प्रभाव के लिए प्रयासरत हैं। यूरोपीय संघ के भीतर व्यापार नीतियों, तकनीकी मानकों और आव्रजन नीतियों के माध्यम से वे अपने बाजार को संरक्षित करने और वैश्विक प्रतिस्पर्धा के लिए तैयार होने का काम कर रहे हैं। ऑस्ट्रेलिया, इसके प्राकृतिक संसाधनों और खुले व्यापार मॉडल के कारण, वैश्विक निवेशकों के लिए आकर्षण का केंद्र बना हुआ है। अर्थव्यवस्था और वैश्विक शक्ति के बीच यह नया संबंध दर्शाता है कि आज दुनिया की लड़ाई ',कौन बड़ा सैनिक है' की नहीं बल्कि ',कौन बड़ा व्यापारी और निवेशक है' की हो गई है। इस प्रतिस्पर्धा का प्रभाव रोज़गार, मुद्रास्फीति, निवेश प्रवाह और वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला पर भी देखने को मिलता है। शोध बताते हैं कि आयात शुल्क और व्यापार संघर्षों से वैश्विक रोजगार में करोड़ों नौकरियों के नुकसान का खतरा भी होता है, विशेषकर निम्न-कुशल श्रमिकों पर यह प्रभाव और अधिक गहरा होता है। इसलिए यह कहना गलत नहीं होगा कि दुनिया अब सामरिक युद्धों की अपेक्षा अर्थव्यवस्था, व्यापार नीति, तकनीकी नेतृत्व और निवेश रणनीति के युद्ध में प्रवेश कर चुकी है। ऐसी स्थिति में युद्ध की विधि सैन्य टकराव से बढ़कर आर्थिक प्रभाव, व्यापार प्रोत्साहन, वैश्विक साझेदारी और स्थिरता की दिशा में केंद्रित हो रही है। तथा इसमें भारत जैसे गुटनिरपेक्ष देश की भूमिका विशुद्ध रूप से शांति, आर्थिक समृद्धि और सहयोग की दिशा में अग्रसर होती दिखाई देती है। इस समग्र परिप्रेक्ष्य से यह स्पष्ट है कि 21वीं सदी में 'व्यापार युद्ध' ही मुख्य संघर्ष का मैदान है, जहाँ शक्ति का निर्धारण केवल बंदूक या टैंक से नहीं बल्कि बाज़ार, नीति, नवाचार, और वैश्विक सहयोग से होता है।

संजीव ठाकुर

स्वामी- स्वतंत्र प्रभात मीडिया, मुद्रक एवं प्रकाशक प्रीती शुक्ल द्वारा सुशीला स्टेडी बेल एकेडमी 117-मोहल्ला बिजय लक्ष्मी नगर परगना सौराचाद तहसील व जनपद सीतापुर से प्रकाशित तथा महावीर आफसेट 28, होनेट रोड लखनऊ से मुद्रित। सम्पादक रवि कुमार अवस्थी समाचार पत्र में तमे समस्त समाचार संवाददाताओं के अपने श्रोत एवं संकलन हैं, जिनसे सम्पादक का सहमत होना आवश्यक नहीं है। **नोट:** उपरोक्त सभी पद अवैतनिक एवं स्वयंसेवी हैं तथा समाचार पत्र से सम्बंधित सारे विवादों का न्याय क्षेत्र सीतापुर होगा। R.NI NO. UPHIN/2012/43078 मो0 नं0-9511151254, E-Mail: news@swatantraprabhat.com

संक्षिप्त खबरें

क्षेत्र के ओथी गांव स्थित पंवारे मल बाबा की कुटी पर विशाल मेला व भंडारा सम्पन्न

महराजगंज (रायबरेली)। विकास खंड क्षेत्र के ग्राम पंचायत ओथी में स्थित पंवारे मल बाबा की कुटी पर विगत वर्ष की भांति इस वर्ष भी 11 जनवरी को विशाल मेले का आयोजन बड़े ही धूमधाम से संपन्न हुआ। मेले से एक दिन पूर्व अखंड रामायण पाठ का आयोजन हुआ, जिसके समापन के बाद मेले के दिन विशाल भंडारे का आयोजन किया गया।जो प्रभु की इच्छा तक चलता रहा। पंवारे मल बाबा की मान्यता यह है कि पावारे मल बाबा की कुटी पर जो भी भक्त सच्चे मन और श्रद्धा भाव से अपनी मुराद मांगता है, बाबा उसकी सभी मनोकामनाएं पूर्ण करते हैं। इसी आस्था के चलते मेले में दूर-दराज क्षेत्रों से भारी संख्या में श्रद्धालु पहुंचते हैं। मेले में विभिन्न क्षेत्रों से आए दुकानदारों ने अपनी-अपनी दुकानें सजाई, जिससे मेले की रौनक और बढ़ गई। इस वर्ष श्रद्धालुओं की काफी भीड़ देखने को मिली, जिससे दुकानदारों की अच्छी बिक्री हुई। भंडारे में हजारों श्रद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण किया तथा बाबा के दर्शन कर अपने जीवन को कृतार्थ किया। पूरे आयोजन के दौरान भक्ति, आस्था और उत्साह का माहौल बना रहा। इस अवसर पर ग्राम प्रधान सुनील मौर्या, राजू सिंह, राजेश कोटेदार, दिनेश कोटेदार, सुभाष चंद्र, मनोज कुमार लोधी, जगदीश प्रसाद लोधी, अभय सिंह, तेजभान सिंह, ग्राम प्रधान नारायनपुर, प्रदीप कुमार लोधी, ग्राम प्रधान प्रतिनिधि आर.पी. साहू, पवन कुमार, गौरव विक्र फील्ड, रामदीन लोधी, अवधेश कुमार मौर्य सहित बड़ी संख्या में गणमान्य लोग व श्रद्धालु उपस्थित रहे।

सोशल मीडिया पर आपत्तिजनक पोस्ट करने वाला युवक गिरफ्तार,भेजा जेल

लालगंज (रायबरेली)। कोतवाली क्षेत्र के दो सड़का के निकट स्थित एक सीमेंट पाइप फैक्ट्री में कार्यरत श्रमिक द्वारा सोशल मीडिया पर आपत्तिजनक टिप्पणी किए जाने का मामला सामने आया है। आरोप है कि श्रमिक ने फेसबुक पर बांग्लादेश के समर्थन और हिंदू समाज के विरोध में कई आपत्तिजनक पोस्ट साझा कीं, जिससे हिंदू समाज में आक्रोश फैल गया। मामले की जानकारी मिलते ही विश्व हिंदू परिषद और बजरंग दल के कार्यकर्ताओं ने विरोध जताया और कोतवाली पहुंचकर पुलिस को तहरीर सौंपी। तहरीर में बताया गया कि आरोपी ने लगातार कई आपत्तिजनक पोस्ट डालकर धार्मिक भावनाओं को आहत किया है। पुलिस ने तत्काल कार्रवाई करते हुए आरोपी को हिरासत में लिया। पूछताछ में उसने अपना नाम अमरीक सिंह बताया। वह दिल्ली का निवासी है और दो सडका के पास स्थित सीमेंट पाइप फैक्ट्री में श्रमिक के रूप में काम करता है। प्रभारी निरीक्षक प्रमोद कुमार सिंह ने बताया कि मामले में आरोपी के विरुद्ध संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर चालान किया गया है। उपजिलाधिकारी के आदेश पर आरोपी को 14 दिन की न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया है।

जन आरोग्य मेला में 16 मरीजों की हुई जांच,दीं गई मुफ्त दवाइयां एवं परामर्श

ज्यादातर खांसी जुकाम, बुखार व स्किन एवं चर्मरोग के आये मरीज।

बिसवां (सीतापुर) रविवार 11 जनवरी को जहांगीराबाद स्थित प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में फार्मासिस्ट अखिलेश पाण्डेय को छोड़कर चिकित्सक डा0 अंशुमान शुक्ल, एल0 टी0 रावेन्द्र कुमार यादव, स्टाफ नर्स दीप्ति शर्मा व सहायक सरला देवी व चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी मोतीलाल मौजूद थे। प्रभारी चिकित्सक डा0 अंशुमान शुक्ल ने बताया कि काफी दिनों से देवकलिया पीएचसी पर किसी भी फार्मासिस्ट की पोस्टिंग न होने से उच्चाधिकारियों के आदेश से यहां पर तैनात फार्मासिस्ट अखिलेश पाण्डेय की ड्यूटी हफ्ते में तीन दिन देवकलिया तथा तीन दिन जहांगीराबाद रहती है।जिस कारण वह आज अस्पताल में न होकर देवकलिया पीएचसी पर ड्यूटी कर रहे हैं। उन्होंने बताया कि आज पीएचसी पर दोपहर 2 बजे तक कुल सोलह मरीज आये जिनमें 6 मरीज बुखार से पीड़ित थे व 6 खांसी जुकाम तथा 3 मरीज स्किन/चर्मरोग के और 1 मरीज कान दर्द रोग से संबंधित था जिन्हें जांच कर मुफ्त दवाइयां एवं परामर्श दिया गया। उन्होंने बताया कि अब मौसम खुलने लगा है इसलिए आगे से मरीजों की संख्या बढ़ाने की संभावना है।

सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मेरा नाम सुधांश कुमार आयु लगभग 38 वर्ष पुत्र श्री श्यामदास विश्वकर्मा निवासी ग्राम भटऊ, जमालपुर, काकोरी, जिला-लखनऊ, उ0प्र0 का मूल निवासी हूँ तथा जन्म से भारतीय हूँ । मेरी पुत्री का नाम सान्वी (SANVI) है जिसका पुकारने वाला नाम करूना है जो कहीं-कही प्रपत्रों में त्रुटिवश दर्ज हो गया है। मेरी पुत्री का वास्तविक नाम सान्वी (SANVI) समस्त प्रपत्रों में लिखा, पढा व समझा जाये।

राष्ट्रीय प्रशासनिक कार्यालय में लाल बहादुर शास्त्री को पुण्यतिथि पर दी गई श्रद्धांजलि

● राष्ट्रीय प्रशासनिक कार्यालय में लाल बहादुर शास्त्री को पुण्यतिथि पर दी गई श्रद्धांजलि

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

महमूदाबाद (सीतापुर) विश्व मानवाधिकार कानून एवं अपराध नियंत्रण ट्रस्ट भारत के राष्ट्रीय प्रशासनिक कार्यालय के तत्वावधान में महमूदाबाद के मोहल्ला रमुआपुर स्थित एम.एस.के.डी. पब्लिक स्कूल परिसर में बैठक का आयोजन किया गया। बैठक की अध्यक्षता राष्ट्रीय संरक्षक एस.एस. दिनकर ने की।

कार्यक्रम का शुभारंभ भारत के महान स्वतंत्रता सेनानी, देश के दूसरे प्रधानमंत्री एवं भारत रत्न से सम्मानित लाल बहादुर शास्त्री की पुण्यतिथि पर उनकी प्रतिमा पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलन के साथ हुआ। इस अवसर पर उपस्थित पदाधिकारियों एवं सदस्यों ने पुष्प अर्पित कर उन्हें श्रद्धांजलि दी। श्रद्धांजलि अर्पित करने वालों में अनुज कुमार जैन पत्रकार, रवि लाल रस्तोगी राष्ट्रीय महासचिव, ओम प्रकाश पाण्डेय, राष्ट्रीय मीडिया प्रभारी सहित अन्य पदाधिकारी व सदस्य उपस्थित रहे। बैठक के दौरान विटाना देवी, सीता देवी, प्रियंशी, मनेश्वरी एवं गोविंद प्रसाद को ब्लॉक सदस्य के रूप में मनोनीत किया गया। राष्ट्रीय मीडिया प्रभारी ओम प्रकाश पाण्डेय ने बताया कि ट्रस्ट देश के लगभग सभी राज्यों में सक्रिय रूप से कार्य कर रहा है और पीड़ित पक्ष से प्राप्त प्रार्थना पत्रों की विवेचना कर राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय स्तर पर न्याय दिलाने का प्रयास किया जा रहा है, विशेषकर पीड़ित बच्चों के मामलों में। राष्ट्रीय महासचिव रवि लाल रस्तोगी ने शीतलहर को देखते हुए जरूरतमंद गरीब मजदूरों एवं असहाय व्यक्तियों के लिए गर्म वस्त्र वितरण, अलाव की व्यवस्था एवं रैन बसेरा शिविर लगाने पर विचार व्यक्त किया। साथ ही उन्होंने बताया कि प्रत्येक माह के दूसरे रविवार को समस्या समाधान केंद्र के माध्यम से जनसुनवाई आयोजित की जाती है। बैठक में बड़ी संख्या में ट्रस्ट के पदाधिकारी एवं सदस्य उपस्थित रहे।

सड़क पार कर रहे युवक को अज्ञात वाहन ने रौंदा, मौके पर ही दर्दनाक मौत

मलिहाबाद। लखनऊ-हरदोई राष्ट्रीय राजमार्ग पर शनिवार को एक भीषण सड़क हादसा सामने आया है। मलिहाबाद थाना क्षेत्र के अंतर्गत लक्की धर्मकांटा के पास सड़क पार कर रहे एक युवक को तेज रफ्तार अज्ञात वाहन ने जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि युवक ने मौके पर ही दम तोड़ दिया। हादसे के तुरंत बाद स्थानीय लोगों की भीड़ जमा हो गई और पुलिस को सूचना दी गई। मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को अपने कब्जे में लेकर जांच शुरू की। शुरुआत में युवक के पास से कोई पहचान पत्र न मिलने के कारण उसकी शिनाख्त नहीं हो सकी थी जिसके बाद पुलिस ने सोशल मीडिया और आमजन के माध्यम से पहचान कराने की अपील की।

काकोरी का रहने वाला था मृतक

कड़ी मशक्कत और स्थानीय प्रयासों के बाद मृतक की पहचान विमलेश उर्फ मुन्ना के रूप में हुई। वह ग्राम बेलवा, थाना काकोरी का निवासी था। पुलिस ने परिजनों को घटना की सूचना दे दी है। पुलिस ने कानूनी कार्रवाई करते हुए शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।आसपास के सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली जा रही है ताकि अज्ञात वाहन और उसके चालक का पता लगाया जा सके।

रूरल टूरिज्म को पंख देने के लिए स्थानीय गाइडों का प्रशिक्षण शुरू

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

मलिहाबाद। ग्रामीण पर्यटन को बढ़ावा देने और स्थानीय युवाओं को स्वरोजगार से जोड़ने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाया गया है। रहीमाबाद के अटेर गांव स्थित एसएचजी उद्यमिता केंद्र में एग्री रूरल एवं गंगे ग्राम रूरल टूरिज्म योजना के अंतर्गत दो दिवसीय स्थानीय गाइड प्रशिक्षण कार्यक्रम का सफल आयोजन किया गया।कार्यक्रम का प्राथमिक लक्ष्य ग्रामीण क्षेत्रों में पर्यटन की संभावनाओं को तलाशना और स्थानीय युवाओं को कुशल गाइड के रूप में तैयार करना है, ताकि वे पर्यटकों को अपनी संस्कृति से रूबरू करा सकें और आत्मनिर्भर बन सकें।कांशीराम पर्यटन प्रबंधन संस्थान से आए मुख्य प्रशिक्षक कृष्ण देव तिवारी ने प्रतिभागियों को क्षेत्र की संस्कृति, ऐतिहासिक और प्राकृतिक स्थलों का महत्व पर्यटकों के साथ शिष्टाचार और संवाद करने का सही तरीका।एक सफल गाइड के गुण और पर्यटन सर्किट विकसित करने की तकनीक,पर्यावरण को नुकसान पहुँचाए बिना पर्यटन को बढ़ावा देने के गुर सिखाए।व्यावहारिक अनुभव और भ्रमण प्रशिक्षण केवल किताबी ज्ञान तक सीमित नहीं रहा। विशेषज्ञों द्वारा व्यावहारिक सत्र आयोजित किए गए और सभी प्रशिक्षुओं को विभिन्न पर्यटन स्थलों का भ्रमण भी कराया गया, ताकि वे धरातल पर बारीकियों को समझ सकें।कार्यक्रम के दौरान टीम लीडर अमिताभ पाण्डेय, जिला समन्वयक सत्य प्रकाश, ग्राम समन्वयक हिमांशु चौरसिया और नमो नारायण मिश्र मुख्य रूप से उपस्थित रहे। प्रशिक्षण में क्षेत्र के दर्जनों लाभार्थियों ने उत्साहपूर्वक हिस्सा लिया।इस पहल से न केवल मलिहाबाद क्षेत्र के ग्रामीण पर्यटन को नई पहचान मिलेगी, बल्कि स्थानीय युवाओं के लिए रोजगार के नए द्वार भी खुलेंगे।

शहीद दिवस पर सरेनी शहीद स्मारक पर अमर शहीदों को श्रद्धांजलि

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लालगंज (रायबरेली)। शहीद दिवस के अवसर पर सरेनी स्थित ऐतिहासिक शहीद स्मारक पर अमर शहीदों की शहादत को श्रद्धा और सम्मान के साथ नमन किया गया। आयोजित कार्यक्रम में उपजिलाधिकारी मिथिलेश त्रिपाठी ने शहीदों को पुष्पांजलि अर्पित करते हुए कहा कि देश की आज़ादी और उसकी रक्षा के लिए अपने प्राण न्योछावर करने वाले वीरों को स्मरण करना और उनके आदर्शों पर चलना प्रत्येक नागरिक का कर्तव्य है। उन्होंने सरेनी के अमर शहीदों को नमन करते हुए आयोजकों एवं उपस्थित जनसमुदाय की सराहना की तथा शहीदों के परिजनों को शाल ओढ़ाकर सम्मानित किया। खण्ड विकास अधिकारी प्रमोद कुमार यादव ने भी शहीद स्मारक पर पुष्प अर्पित कर कहा कि स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों का इतिहास आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रेरणा का स्रोत है।

शहीद स्मारक सरेनी ट्रस्ट के अध्यक्ष डॉ. अशोक त्रिवेदी ने सभी आगंतुकों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि शहीद स्मारक केवल पत्थरों का ढांचा नहीं, बल्कि राष्ट्रभक्ति और बलिदान की जीवंत मिसाल है। कार्यक्रम में स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों के परिवारों के सदस्य रवि त्रिपाठी, किशोरीलाल, पप्पू सिंह, रामनरेश सिंह, रमेश सिंह सहित अन्य को सम्मानित किया गया।

स्थानीय नागरिकों ने कहा कि ऐसे आयोजनों से युवाओं में देशभक्ति की भावना मजबूत होती है और शहीदों के बलिदान को नई पीढ़ी तक पहुँचाने में सहायता मिलती है। इस अवसर पर ग्राम प्रधान सरेनी जितेन्द्र सिंह सहित बड़ी संख्या में जनप्रतिनिधि व गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन कवि सतीश सिंह ने किया, जबकि आभार ज्ञापन नीरज श्रीवास्तव द्वारा किया गया।

इंटरनेशनल मुशायरा आज

बिसवां सीतापुरः अदब, शायरी और तहज़ीब की खुशबू से बिसवां एक बार फिर सराबोर होने जा रहा है। आज सोमवार को नगर में शैख़ुल औलिया हजरत गुलजार शाह रह0 के उर्स व मेला मे इंटरनेशनल मुशायरा का भव्य आयोजन किया जाएगा, जिसमें देश-विदेश के नामचीन शायर और शायरात शिरकत करेंगे। यह मुशायरा साहित्य प्रेमियों के लिए किसी जश्न से कम नहीं होगा। मुशायरे में मशहूर शायरा शबीना अदीब, शाइस्ता सना, अल्ताफ़ ज़िया, मिस्र से वला जमाल साहिबा, दुबई से यासिर अज़हर, नेपाल से सरवर नेपाली, आदिल रशीद, हास्य-व्यंग के लोकप्रिय कवि शरीफ़ भारती, हाशिम फिरोज़ाबादी, बिलाल सहारनपुरी, अज़हर इक़बाल, राहुल शर्मा, सतलज राहत इंदौरी, तबरेज़ मुनव्वर राना, हिमांशी बाबरा तथा इल्मा हाशिमी अपनी बेहतरीन रचनाओं से समां बांधेंगे। कार्यक्रम की निज़ामत दुनिया के मशहूर नाज़िम नदीम फ़र्रूख़ करेंगे, जिनकी दिलकश आवाज़ और सलीक़ेमंद अंदाज़ मुशायरे को और भी यादगार बनाएगा। मेला सेक्रेटरी सय्यद हुसैन कादरी ने बताया कि यह मुशायरा केवल एक साहित्यिक कार्यक्रम नहीं, बल्कि आपसी भाईचारे, मोहब्बत और सांस्कृतिक एकता का पैग़ाम है। आयोजन को लेकर नगर में खासा उत्साह देखने को मिल रहा है और बड़ी संख्या में श्रोताओं के पहुंचने की उम्मीद है।

बीएमपीएस में सीनियर वर्ग की अभिभावक- अध्यापक संगोष्ठी संपन्न

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लालगंज, रायबरेली। कस्बे के बक्शी मेमोरियल पब्लिक स्कूल लालगंज में सीनियर वर्ग की अध्यापक-अभिभावक संगोष्ठी संपन्न हुई। अभिभावकों ने अपने पाल्यों की प्रोग्रेस रिपोर्ट के बारे में जानकारी प्राप्त करते हुए अध्यापकों से विचार विमर्श किया। इस अवसर पर विद्यालय के प्रशासनिक सचिव सिद्धार्थ सिंह ने अभिभावकों से विचार विमर्श करते हुए कहा कि छात्रों के चतुर्दिक विकास के लिए अध्यापक और अभिभावकों के मध्य सामंजस्य आवश्यक है। इसके लिए जरूरी है कि अभिभावक अपने पाल्यों की दैनिक क्रियाकलापों की पर निगरानी रखते हुए उनकी अच्छाइयों और कमियों के बारे में अवश्य ही विद्यालय प्रबंधन को बताते रहें जिससे समय रहते उनकी कमियों को दूर किया जा सके। इस अवसर पर कक्षा-9 से कक्षा-12 तक के छात्र-छात्राओं के अभिभावकों ने सहभागिता करते हुए कक्षाध्यपक व विषय अध्यापक से विचार विमर्श करते हुए विद्यालय द्वारा दी जा रही सुविधाओं के प्रति संतोष जताया। वहीं इस अवसर पर उपस्थित प्रबंधक शांतनु सिंह ने अभिभावकों से विचार विमर्श करते हुए कहा आपने जिस भरोसे और उद्देश्य की पूर्ति के लिए अपने पाल्यों का प्रवेश विद्यालय में कराया है विद्यालय हमेशा हर कसौटी पर खड़ा उतरा है और भविष्य में भी निरंतरता बनी रहेगी।नए सत्र की प्रवेश प्रक्रिया शुरू हो गई है अभिभावक इसकी सारी जानकारी के लिए स्कूल ऑफिस से संपर्क कर सकते हैं।इस अवसर पर कक्षा-9 से कक्षा-12 तक के अभिभावकों के साथ-साथ मृत्युंजय सिंह,बी एन यादव, एमपी सिंह, अर्चना सिंह, शिरीष तिवारी, श्रवण तिवारी,आदित्य सिंह,आस्था सिंह, मनीष अवस्थी, अजय तिवारी, बुधराज, अंजू श्रीवास्तव, संगीत सिंह, सरिता सिंह, आरपी सिंह, सुधीर सिंह, विकास सिंह,विष्णु सिंह सहित समस्त अध्यापक और कर्मचारी उपस्थित रहे। प्रधानाचार्य अभिषेक रंजन ने आए हुए अभिभावकों के आभार प्रकट करते हुए विद्यालय परिवार की ओर से स्वागत किया। आए हुए समस्त अभिभावकों के लिए पर्याप्त मात्रा में जलपान की व्यवस्था रही।यह जानकारी बीएमपीएस के जनसंपर्क अधिकारी यशबहादुर यादव ने दी।

बहुजन समाज पार्टी में कोटेदार ने आस्था जताई, सदस्यता ली

महमूदाबाद-सीतापुर। नगर के वार्ड शहजानी निवासी विक्रम सिंह वर्मा कोटेदार और अखिल सिंह ने बहुजन समाज पार्टी एवं बहन जी की पार्टी की नीतियों में आस्था रखते हुए बहुजन समाज पार्टी की प्राथमिक सदस्यता ग्रहण की। इस अवसर पर सीतापुर जिला प्रभारी सुरेश रावत, जिला ओबीसी संयोजक कौशल वर्मा, हरिओम पटेल विधानसभा प्रभारी महमूदाबाद उपस्थिति रहे, सीतापुर जिला प्रभारी सुरेश रावत ने विक्रम सिंह और अखिल सिंह वर्मा का बसपा परिवार में आने पर उनका अभिनंदन और स्वागत किया गया।

स्वराज सेवा फाउंडेशन की तरफ से हुआ कंबल वितरण

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

सीतापुर। स्वराज सेवा फाउंडेशन के बैनर तले इस भीषण सर्दी मे ठिठुरते लोगों के लिए प्रणव सिंह राजपूत और उनके साथियों के द्वारा किया गया कंबल वितरण महा अभियान जरूरतमंदों के लिए राहत और युवाओं के लिए प्रेरणा बन गया।इस कार्यक्रम कों पूर्णयता सफ़ल बनाने के लिए आयोजक प्रणव सिंह राजपूत व उनके साथी कमल शर्मा,अर्जुन वाल्मीकि, आकाश पांडे, अभय मिश्रा व सहयोगी आशुतोष प्रताप सिंह, शिवेंद्र त्रिवेदी, अरुणवा प्रताप सिंह, सागर मिश्रा की क्षेत्र मे चहुंओर प्रशंसा हो रही है। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि महोली विधायक शशांक त्रिवेदी रहे वहीं विशिष्ट अतिथि सागर गुप्ता, मुनेंद्र अवस्थी, अंबेडकर नगर से आए जिला पंचायत सदस्य नीरज प्रताप सिंह, और नैमिष की धरा से चलकर आए हुए श्री श्री 1008 हनुमानगढ़ी के पीठाधीश्वर महाराज पवनदास जी महाराज और महंत बजरंग मुनि दास जी, महंत राजू दास जी हनुमान धारा चित्रकूट उपस्थित रहें। युवा प्रणव नें कंबल वितरण के साथ ही गांव से चलकर आए जरूरतमंद के लिए अन्नदान का भी उचित प्रबंध किया। कार्यक्रम के दौरान आयोजक प्रणव सिंह राजपूत ने गरीबों जरूरतमंदों की मदद के लिये पूरे समाज से बढ़चढ़कर आगे आने की अपील की। कार्यक्रम के अंत में आयोजक प्रणव सिंह राजपूत ने आये हुये अतिथियों और सहयोगियों का आभार व्यक्त किया।

पीपरगांव में प्रमोद सिंह ने किया हिन्दू सम्मेलन का आयोजन

● सफल आयोजन पर क्षेत्रीय संगठम मंत्री ने की प्रमोद सिंह की सराहना

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

भरावन (हरदोई)। हरदोई जिले की 161 विधानसभा संडीला में भाजपा से मजबूत दावेदार प्रमोद सिंह ने पीपरगांव मंडल के अंतर्गत विश्वनाथ महाविद्यालय नेवादा में हिन्दू सम्मेलन का आयोजन किया। जिसमें क्षेत्र संगठन मंत्री संस्कृत विभाग प्रमोद पंडित ने कहा कि केशव बलिराम हेडगेवार ने जब संघ की स्थापना की तो लोगों ने उनका मजाक बनाया। लेकिन आज समाज को मजबूत बनाने में संघ का अहम योगदान है। अंग्रेजी शासनकाल मे लोग खुद हिन्दू कहने से कतराते थे। लोग कहते थे कि उन्हें गधा कह लो लेकिन हिन्दू न कहो। जबकि आज लोग गर्व से स्वयं को हिन्दू कहते हैं और अपने घरों के बाहर स्टीकर लगाते हैं। उन्होंने कहा कि संघ ने स्वदेशी अपनाने पर जोर दिया। अपनी भाषा अपनाए, रोजाना कम से कम दस विदेशी शब्दों की जगह हिंदी भाषा के शब्द बोले। उन्होंने सफल आयोजन के लिए आयोजक प्रमोद सिंह की सराहना की।

आयोजक प्रमोद सिंह ने कहा कि समाज को समृद्ध बनाने के लिए हिन्दू सम्मेलन का आयोजन किया गया है। इस तरह के आयोजन प्रत्येक मंडल में किये जायेंगे। मंच संचालन प्रदीप मिश्र ने किया। कार्यक्रम में तीर्थराज सिंह, मंडल अध्यक्ष सूरज चौहान, अखंड शक्ति सिंह, पंकज शुक्ल, बाबूजी नेवादा, इटौंजा प्रधान विनोद सिंह, अतरौली प्रधान प्रमोद त्रिपाठी, प्रधान दीपक भदौरिया, पूर्व मंडल अध्यक्ष धीरेंद्र तोमर, देवव्रत सिंह, प्रधान सुभाष सिंह, शोभित शुक्ला, सौम्य बाजपेई, मयंक पांडे, अजीत सिंह, दीनू चौहान, दुर्गेश राष्ट्रवादी, धर्मेंद्र सिंह, अमन विश्वकर्मा मौजूद रहे।

प्रभारी मंत्री ने रैन बसेरों का निरीक्षण कर निराश्रितों को बांटे कंबल

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

उरई(जालौन): जनपद के प्रभारी मंत्री एवं गन्ना विकास व चीनी उद्योग राज्यमंत्री उप्र संजय सिंह गंगवार ने शनिवार की देर रात रेलवे स्टेशन, कोंच बस स्टैंड स्थित रैन बसेरों एवं अलाव स्थलों का औचक निरीक्षण किया तथा निराश्रित एवं जरूरतमंद व्यक्तियों को कंबल वितरित किए।

प्रभारी मंत्री ने रैन बसेरों में पहुंचकर वहां ठहरे लोगों का हाल-चाल जाना और व्यवस्थाओं के संबंध में जानकारी ली। उन्होंने निराश्रितों से संवाद करते हुए कहा कि मुझे मुख्यमंत्री जी ने विशेष रूप से आपका हाल-चाल लेने के लिए भेजा है। आपको किसी भी प्रकार की कोई परेशानी तो नहीं है? निरीक्षण के दौरान प्रभारी मंत्री ने रैन बसेरों में साफ-सफाई, पेयजल, प्रकाश, शौचालय एवं ठहरने की व्यवस्थाओं का भी जायजा लिया तथा संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि ठंड के मौसम में किसी भी व्यक्ति को असुविधा न होने पाए। अलाव की पर्याप्त व्यवस्था सुनिश्चित करने तथा जरूरतमंदों को तत्काल कंबल उपलब्ध कराने के निर्देश भी दिए गए। प्रभारी मंत्री ने कहा कि प्रदेश सरकार का स्पष्ट निर्देश है कि कोई भी निराश्रित व्यक्ति ठंड से प्रभावित न हो। शासन-प्रशासन पूरी संवेदनशीलता के साथ आमजन की सेवा में तत्पर है। इस अवसर पर जिला पंचायत अध्यक्ष डॉ. घनश्याम अनुरागी, सदर विधायक गौरीशंकर वर्मा, माधौगढ़ विधायक मूलचंद निरंजन, कालपी विधायक विनोद चतुर्वेदी, एमएलसी रमा निरंजन, जिलाधिकारी राजेश कुमार पाण्डेय, पुलिस अधीक्षक डॉ. दुर्गेश कुमार, मुख्य विकास अधिकारी के.के. सिंह, डीसी मनरेगा रामेंद्र सिंह, पूर्व केंद्रीय राज्यमंत्री भानु प्रताप सिंह वर्मा, पूर्व विधायक नरेंद्र सिंह जादौन, भाजपा जिलाध्यक्ष उर्विजा दीक्षित सहित जनप्रतिनिधि एवं संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

देवगांव में अलग अलग घरों से निकले दो अजगर, मचा हड़कंप

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

कोंच(जालौन): तहसील क्षेत्र के ग्राम रवा के खेतों में तेंदुआ पाए जाने और फिर उसके गायब हो जाने के बाद से खौफ में जी रहे आसपास के ग्रामीणों के बाद अब ग्राम देवगांव में ग्रामीण उस समय खौफ में आ गए जब कुछ ही समय के अंतराल में अलग अलग घरों में दो विशाल अजगर पाए गए। मामले के मुताबिक ग्राम देवगांव निवासी हरिकृष्ण याज्ञिक दिल्ली में रहते हैं और गांव स्थित घर में ताला लगा रहता है। रविवार को हरिकृष्ण गांव आए हुए थे। दोपहर करीब साढ़े 12 बजे जैसे ही उन्होंने घर का ताला खोला तो देखा अंदर करीब 10 फीट लंबा और 20 किलो वजन का विशाल अजगर जमीन पर पसरा हुआ है। अजगर देख हरिकृष्ण के हांथ पांव फूल गए और भागकर उन्होंने मौके पर ग्रामीणों को बुलाया। उधर, कुछ देर बाद ही रामरतन अहिरवार के जानवरों वाले घर में भी इतना विशाल अजगर मौजूद मिला। एक साथ दो अजगर मिलने से ग्रामीण खौफ में आ गए और इसकी सूचना वन विभाग को दी। तेंदुआ के रेस्क्यू में लगे वन कर्मियों को न आता देख ग्रामीणों ने नरी गांव निवासी नाथ अशोकदास को मौके पर बुलाया। ग्रामीणों के सहयोग से नाथ ने दोनों अजगरों को काबू में कर पाइप और बोरी के अंदर बंद कर लिया जिसके बाद ही ग्रामीणों ने राहत की सांस ली। दोनों अजगरों को सुदूर जंगलों में छोड़ने के लिए ले जाया गया।

मुख्यमंत्री जन आरोग्य मेला में 67 मरीजों का हुआ उपचार

डलमऊ- कटघर प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में रविवार को मुख्यमंत्री आरोग्य स्वास्थ मेला लगा। इसमें बुखार, सर्दी जुकाम, शुगर, उच्च रक्तचाप, मलेरिया, पैथालॉजी में जांच की गई। निःशुल्क दवा का भी वितरण किया गया। चिकित्साधिकारी डा. रूपाली शुक्ला ने बताया कि मेले में कुल 67 मरीजों का पंजीकरण किया गया जिसमें 30 पुरुष, 30 महिलाओं एवं 7 बच्चों का पंजीकरण हुआ।स्वास्थ्य मेले का मुख्य उद्देश्य स्वास्थ्य व परिवार कल्याण विभाग से संबंधित सेवाएं जैसे मातृ- शिशु कल्याण, जननी सुरक्षा योजना, टीकाकरण, परिवार नियोजन, संचारी व गैर संचारी रोगों से संबंधित सेवाएं प्रदान करना व उनका प्रचार-प्रसार करना है। हर रविवार को स्वास्थ्य मेले का आयोजन होता है। इसका लाभ ग्रामीणों को लेना चाहिए। इस दौरान फार्मासिस्ट रविन्द्र, लैब टेक्नीशियन अनुपम यादव,एएनएम बीना शर्मा,स्टाफ नर्स प्रियंका वर्मा, एसएलए संजीव कुमार आदि मौजूद रहे।

गौशाला की देखभाल करने वाले गौ रक्षक ने मारपीट की शिकायत की

कोंच(जालौन): विकास खंड कोंच की ग्राम पंचायत बिरगुवां बुजुर्ग स्थित गौशाला की देखभाल करने वाले दलित गौरक्षक ने जातिसूचक गालियां देने और मारपीट करने का आरोप लगाते हुए मामले की शिकायत पुलिस से की है। ग्राम बिरगुवां बुजुर्ग निवासी वीरपाल पुत्र गरीबदास ने कोतवाली पुलिस को प्रार्थना पत्र देकर बताया कि वह गौशाला की देखभाल करता है। अत्यधिक सर्दी और बीमारी के चलते मृत गौवंशों को ग्रामीणों की सहमति से दफनाने के लिए रविवार की दोपहर वह परती की जगह पर जेसीबी मशीन से गड्ढा खोद रहा था। इसी दौरान गांव के ही श्यामजी मौके पर आए और उसका वीडियो बनाने लगे। उसने वीडियो बनाने का कारण पूंछा तो श्यामजी ने जातिसूचक गालियां देकर उसके साथ मारपीट की। वीरपाल ने पुलिस को बताया कि बीते दो वर्षों से श्यामजी उसे परेशान कर रहे हैं और उसे गौशाला का काम नहीं करने देते हैं, साथ ही शिकायत करने पर जान से मारने की धमकी देते हैं। मामले को लेकर वीरपाल ने पुलिस से कार्यवाही किए जाने की मांग की है। फिलहाल पुलिस मामले की जांच में लगी हुई है।

चोरी की योजना बनाते 4 अभियुक्त गिरफ्तार

पिस्टल, तमंचा सहित अन्य तमाम उपकरण बरामद

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

कोंच(जालौन)- चोरी की वारदात करने की योजना बना रहे 4 अभियुक्तों को थाना नदीगांव पुलिस ने गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की है। गिरफ्तार अभियुक्तों के पास से पिस्टल, तमंचा, कारतूस सहित अन्य तमाम उपकरण बरामद पुलिस ने किए हैं।

मामले के मुताबिक थानाध्यक्ष नदीगांव शशिकांत चौहान ने पुलिस बल के साथ मिलकर मुखबिर की सूचना पर रविवार को नदीगांव कस्बे में सुभाष तिराहे पर नगर पंचायत की बेसमेंट में बनी दुकान नंबर 6 में बैठकर चोरी की वारदात करने की योजना बना रहे अभियुक्त रामगोपाल चौहान पुत्र अहिवरन निवासी ग्राम गोरई भिंड एमपी, सतेंद्र सिंह चौहान पुत्र माखन सिंह निवासी ग्राम भीमनगर भिंड, आशीष राजावत पुत्र राजवीर सिंह निवासी ग्राम निवसाई भिंड, वेदप्रकाश जादौन पुत्र बृजेंद्र सिंह निवासी ग्राम चुरली भिंड को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने उक्त अभियुक्तों के पास से 32 बोर की 2 पिस्टल, 12 बोर का एक तमंचा, 32 बोर की 3 मैगजीन, 32 बोर के 4 जिंदा कारतूस, 12 बोर के 2 जिंदा कारतूस, एक छुरा, कटर, प्लास, पेंचकस, सब्बल बरामद की है। बगैर कागजातों की स्प्लेंडर बाइक एमपी 30 जेडएफ 6843 भी बरामद की गई है जिसे दफा 207 में पुलिस ने सीज कर दी है। उपरोक्त चारों अभियुक्तों के खिलाफ पुलिस ने धारा 313 बीएनएस, 3/25, 4/25 आर्म्स एक्ट में अभियोग पंजीकृत कर अग्रिम विधिक कार्यवाही की है। पुलिस इन चारों अभियुक्तों का आपराधिक इतिहास खंगाल रही है।

संक्षिप्त खबरें

परिजनों से नाराज विवाहिता ने फिनायल की गोली खाई, हालत नाजुक

हमीरपुरः- कुरारा कस्बा में परिजनों से नाराज होकर 33 वर्षीय विवाहिता ने जहरीले पदार्थ का सेवन कर लिया। हालत बिगड़ने पर परिजन उसे उपचार के लिए स्थानीय सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) लेकर पहुंचे, जहां प्राथमिक उपचार के बाद चिकित्सकों ने उसकी गंभीर स्थिति को देखते हुए जिला अस्पताल के लिए रेफर कर दिया। जानकारी के अनुसार कस्बा निवासी श्याम किशोर सोनी की 33 वर्षीय पत्नी गीता सोनी ने रविवार दोपहर करीब तीन बजे पारिवारिक विवाद के चलते फिनायल की गोली खा ली। कुछ ही देर में उसकी तबीयत बिगड़ने लगी। परिजन आनन-फानन में उसे सीएचसी कुरारा ले गए, जहां से जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया। फिलहाल महिला का उपचार जिला अस्पताल में जारी है।

मारपीट, लूट के आरोपियों को पुलिस ने किया गिरफ्तार

हमीरपुरः- बीते शुक्रवार दोपहर भरखरी और करगांव के बीच अध्यापक से मारपीट व लूट करने वाले सात नामजद में से छः आरोपियों को पुलिस ने रविवार सुबह गिरफ्तार कर लिया।थाना प्रभारी नन्दराम ने बताया कि घटना के बाद आरोपी अपनी बाइकों से गांव के बीच से निकले थे ,जिनकी बाइकों के नंबर सीसीटीवी कैमरों में देखकर ट्रेस किया गया।बताया मुखबिर की सूचना पर आरोपी शिवम कुशवाहा (17)पुत्र लालमन, अंकित उर्फ अंकू (15) पुत्र रामपाल, यशवंत वर्मा उर्फ साहिल (16) पुत्र दिलीप कुमार, अमित वर्मा उर्फ बरातीलाल (19) पुत्र राजाराम, हरीश वर्मा (18) पुत्र संजीव कुमार निवासी गण सिचौली थाना कबरई व राजकुमार (22) पुत्र चेतराम निवासी सिंहनपुर कबरई को रविवार सुबह नौ बजे ग्योणी से न्यूरिया जाने वाले रोड से गिरफ्तार गया, जबकि एक आरोपी फरार है।बताया राजकुमार के पास से लूट की चेन एवं अन्य सभी से तीन बाइकें, 6 मोबाइ , एक तमंचा, दो कारतूस बरामद किए गए हैं।सभी आरोपियों को न्यायिक अभिरक्षा में भेजा गया।

LIC ने लाँच की अबतक कि सबसे अच्छी और बेहतरीन प्लान

एक मुश्त पैसा जमा करने पर जिन्दगी भर मिलेगा एक एक लाख

शैलेश कुमार तिवारी

गोपालगंज (बिहार)- देश की सबसे बड़ी और भरोसेमंद सरकारी कम्पनी भारतीय जीवन बीमा निगम (LIC) ने अबतक कि सबसे अच्छी और बेहतरीन स्कीम प्लान नंबर 883 न्यू जीवन उत्सव सिंगल प्रीमियम के रूप में 12 जनवरी 2026 को लांच करने जा रही है इसमें दो तरह के इनकम हैं एक रेगुलर इनकम दुसरा फ्लैक्सी इनकम भारतीय जीवन बीमा की यह सबसे बेहतरीन प्लान हैं जिसमें एक मुस्त नव लाख रुपये जमा करने पर ग्राहक को आजीवन एक एक लाख पेंशन के रूप में मिलता रहेगा उसके बाद बीमा धारक की मृत्यु होने पर वह पैसा नामिनी को लौटा दिया जाएगा भारतीय जीवन बीमा निगम गोपालगंज शाखा कार्यालय में कार्यरत विकास अधिकारी राम कुमार झा का कहना हैं कि हर परिवार को सुरक्षा देना हमारी जिम्मेदारी हैं और इसलिए हम आपको हर बार इंश्योरेंस के बारे में याद दिलाते रहते हैं हम कोई भी चीज़ खरीदने से पहले उसकी कीमत समझते हैं लेकिन LIC की कीमत हमें तभी पता चलता हैं जब हम कुछ खो देते हैं उन्होंने कहा कि आपकी भलाई ही मेरी भलाई हैं। विकास अधिकारी राम कुमार झा कहते हैं भारतीय जीवन बीमा निगम LIC ने निवेशकों को रिटर्न देने के मामले में देश के प्रमुख बैंको को पीछे छोड़ दिया हैं शेयर बाज़ार में सुद्धीवद्ध होने के बाद LIC ने अन्य बैंको की तुलना में बेहतर रिटर्न प्रदान किया है।

अखिल असम नाथ योगी छात्र संघ के साधारण सभा और नाथ योगी युवा महोत्सव 2026 का आयोजन

● 15 हजारों से अधिक लोगों ने निकला विशाल में नाथ योगी समुदाय की

मांगो को लेकर रगूंज उठा विलाशिपारा।

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

असम धेमाजी। अखिल असम नाथ योगी छात्र संघ ने असम के धुबुरी जिले की विलाशिपारा सम जिले की एलंगमारी नयापारा गांव में 10और 11 जनवरी 2026 को दो दिवसीय विशाल कार्यक्रमो के साथ अखिल असम नाथ योगी छात्र संघ के साधारण सभा और नाथ योगी युवा महोत्सव 2026 का आयोजन किया। 10 जनवरी को सुबह मुख्य द्वारा उद्घाट, असम के नाथ योगी समुदाय के प्रतीकी चिह्न गामूचा को फहराया गया, गुरु गोरखनाथ के प्रतिमूर्ति पर माल्यार्पण, शहीद तर्पण, सुधाकंठ डॉ भूपेन हजारिका और असम के महचूर गायक जुबिन गर्ग के प्रतिच्छवि पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि दिया गया। दुपहर को स्थानीय नाथ योगी भाषा में लिखी गई एक कवितपूति 'योगी महल ' का विमोचन किया गया। अनुष्ठान में नाथ योगी उन्नयन परिषद के अध्यक्ष बेनुधर नाथ ने भाग लेकर समुदाय के लोगों को संबोधित किया।

आज दूसरे दिन दोपहर को15 हजारों से अधिक लोगों ने निकला विशाल रैली। नाथ योगी समुदाय को असम पूर्ण आरक्षण श्रेणी के मर्यादा, जनजातीकरण, और नाथ योगी सेटेलाइट ऑटोनॉमस काउंसिल गठन के मांग से गूंज उठा समग्र विलाशिपारा नगर रैली में असम के जानेमाने कलाकार मौसमी आलिफा ने भाग लिया। शाम को नाथ योगी छात्र संघ के अध्यक्ष अरविंद नाथ के अध्यक्षता में हुई बैठक में असम के कई दल संगठनों की पदाधिकारियों ने भाग लिया जिसमें नाथ योगी छात्र संघ के साधारण संपादक दीपक नाथ, अखिल असम छात्र संघ के अध्यक्ष उत्पल शर्मा,ने भाग लेकर अपनी भाषण में नाथ योगी समुदाय के इस कार्यकम का सराहना करते हुए कहा कि अभिव्यक्त गोवालपारा जिले की धुबुरी जिले में असम के प्राचीनतम समुदाय नाथ योगी समुदाय के ईसा एक कार्यक्रम का जरूरी था जो आज आप लोगों ने कर दिखाई। उन्होंने असम सरकार से नाथ योगी समुदाय के मांगो को पूरा करने के साथ समुदाय को सुरक्षित करने की अपील की। बैठक में अखिल असम ताई आहूम छत्रा संघ के अध्यक्ष मिलन बुडगोहैन, असम प्रदेश नाथ योगी सम्मेलन के अध्यक्ष धीरेन नाथ, ने बैठक में अपनी भाषण में असम के नाथ योगी समुदाय के योगदान, ऐतिहासिक आंदोलनों से लेकर आज तक अपनी हक के लिए लड़ रही समुदाय के बारे में गत 25 दिसंबर से असम में शुरू की गई मशाल रैली के जरिए सरकार को समुदाय के समस्याओं को समाधान के लिए की जा रही रैली के जरिए सरकार की दृष्टि आकर्षण करने की जो प्रयास कर रही इसे उन्होंने लाजवाब बताया, अगर 2026 के असम विधान सभा चुनाव से पहले नाथ योगी समुदाय के समस्याओं को लेकर सरकार कई सिद्धांत में नहीं आते हे तो इस आंदोलन को ओर जोरदार तरीके से करने की बात की। उन्होंने असम विधान सभा में अगले 2026 के असम विधान सभा चुनाव में 6 प्रतिनिधियों को नाथ योगी वोटर के निर्णायक भूमिका रहने वाले चुनावों क्षेत्रों में भाजपा, तथा अन्य राजनीतिक दलों को टिकट देने के लिए मांग रखी। बैठक में अखिल असम कुछ राजवंशी छात्र संघ के सचिव बलुराम बर्मन, अखिल असम सूत्रधर छात्र संघ के अध्यक्ष लखी कांत सूत्रधर, गोरिया मोरिया देशीय जरिय परिषद के अध्यक्ष स्वाहनवाज हुचेन, नाथ योगी छात्र संघ के सहलाकर लखन नाथ, क्षमता पुर ऑटोनॉमस काउंसिल के मुख कार्यवाही अध्यक्ष जीवेश राय सहित उपस्थित वक्ताओं ने अपनी अपनी भाषण में असम में बसे नाथ योगी समुदाय के समस्याओं को समाधान करने की उपर महत्व देते हुए भाषण रखी, बैठक में विभिन्न जिला समितियों के पदाधिकारियों के साथ विलाशिपारा एलिंगमारी इलाके की लोगों सहित 25 हजारों से अधीक लोगों ने भाग लिया।

पत्नी को लेने पहुंचे युवक की ससुरालियों से मारपीट, दोनों पक्षों के लोग घायल

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

हमीरपुरः- सुमेरपुर थाना क्षेत्र के टेढ़ा गांव में रविवार को पत्नी को लेने पहुंचे एक युवक और उसके ससुराल पक्ष के बीच जमकर मारपीट हो गई। इस घटना में दोनों पक्षों के कई लोग घायल हो गए। मारपीट के बाद घायल युवक अपने साथियों के साथ मौके से फरार हो गया। मथुरा जनपद के गोवर्धन निवासी भूरा पहलवान ने पुलिस को बताया कि उसका विवाह 6 दिसंबर को टेढ़ा गांव निवासी दीक्षा तिवारी से हुआ था। शादी के करीब 12 दिन बाद दीक्षा के माता-पिता उसे वापस अपने मायके टेढ़ा गांव ले आए थे। इसके बाद से दीक्षा ससुराल जाने से इनकार कर रही थी।

रविवार को भूरा पहलवान अपने कुछ साथियों के साथ पत्नी दीक्षा को लेने टेढ़ा गांव पहुंचा। जब वह दीक्षा को अपने साथ ले जाने लगा, तभी ससुराल पक्ष ने इसका विरोध किया। देखते ही देखते दोनों पक्षों में कहासुनी बढ़ गई और मामला मारपीट में बदल गया। इस मारपीट में भूरा पहलवान और उसके साथी घायल हो गए। वहीं ससुराल पक्ष से दीक्षा के पिता प्रहलाद तिवारी को भी चोटें आईं। पुलिस ने ससुराल पक्ष के घायल का डॉक्टरी परीक्षण कराया है। घटना के बाद भूरा पहलवान अपने साथियों के साथ घायल अवस्था में गांव से भाग निकला। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और मामले की जांच शुरू कर दी। थानाध्यक्ष अनूप सिंह ने बताया कि घटना की जानकारी मिली है। दोनों पक्षों का मेडिकल परीक्षण कराया जा रहा है। जांच के आधार पर तहरीर मिलने पर मुकदमा दर्ज कर आगे की विधिक कार्रवाई की जाएगी।

वोटरों के समक्ष पढ़ी गई ड्राफ्ट मतदाता सूची

मीरजापुर। जिलाधिकारी पवन गंगवार के निर्देशानुसार सभी मतदान बूथो पर मतदाता सूची पढ़ी गई। मतदाता अपने संबंधित मतदाता बूथ पर पहुंचकर नई जारी की गई लिस्ट का अवलोकन किए। जिस मतदाता का नाम लिस्ट में नहीं था फॉर्म नंबर 6 भरकर अपना नाम जुड़वाया। बूथ पर किसी आपत्ती एवं संशोधन हेतु फॉर्म नंबर 7 और 8 भी उपलब्ध कराया गया था।

बताते चलें कि एस आई आर लागू होने के पश्चात लोगों के अंदर अपना नाम छूट जाने और नागरिकता को लेकर अज्ञात भय बना हुआ है। इसी वजह से लोग लिस्ट में अपने नाम को लेकर काफी कौतुक दिखे। नगर पालिका परिषद के द्वारा वाहन के जरिए एलाउंसमेंट करके लोगों को बूथ पर जाने के लिए प्रोत्साहित किया गया। अहरौरा पट्टी कला के बी एल ओ रामनारायण द्वारा बताया गया कि एस आई आर प्रक्रिया लागू होने के पश्चात लोग अपने वोटर लिस्ट को लेकर काफी उत्साहित हैं। सभी वोटर इस प्रक्रिया में बढ़ चढ़कर अपना सहयोग कर रहे हैं।

रेलवे ट्रैक पर पलटी केमिकल लदी ट्रैक्टर-ट्रॉली, बांदा मार्ग व रेल यातायात डेढ़ घंटे बाधित

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

हमीरपुरः- रविवार सुबह रेलवे स्टेशन के डंपिंग ग्राउंड से केमिकल पाउडर लादकर उद्योग नगरी जा रही एक ट्रैक्टर-ट्रॉली बांदा मार्ग पर रेलवे गेट संख्या 31 के पास अनियंत्रित होकर पलट गई। इस हादसे के चलते बांदा मार्ग के साथ-साथ रेलवे रूट भी लगभग डेढ़ घंटे तक बाधित रहा।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, यह केमिकल पाउडर उद्योग नगरी में संचालित एक बहुराष्ट्रीय कंपनी में साबुन एवं अन्य उत्पादों के निर्माण के लिए उपयोग किया जाता है। उक्त केमिकल राजस्थान से रेलवे के माध्यम से मंगाया जाता है, जिसे मालगाड़ी से उतारने के बाद रेलवे स्टेशन के डंपिंग ग्राउंड में रखा जाता है। वहां से इसे ट्रैक्टर-ट्रॉली के माध्यम से फैक्ट्री तक पहुंचाया जाता है।

घटना रविवार सुबह करीब 10 बजे की है। जैसे ही ट्रैक्टर-ट्रॉली बांदा मार्ग पर रेलवे गेट संख्या 31 के पास रेलवे पटरी पर पहुंची, अचानक ट्रैक्टर का संतुलन बिगड़ गया। देखते ही देखते ट्रॉली रेलवे लाइन के ऊपर पलट गई, जिससे केमिकल से भरी ट्रॉली पटरी पर आ गिरी।

हादसे की सूचना मिलते ही पुलिस और संबंधित विभाग मौके पर पहुंच गए। सुरक्षा के मद्देनज़र कुछ समय के लिए रेलवे रूट पर ट्रेनों की आवाजाही रोक दी गई, जबकि बांदा मार्ग पर वाहनों की लंबी कतारें लग गईं। पुलिस ने क्रेन की मदद से पलटी हुई ट्रॉली को सीधा कराकर पटरी से हटवाया, जिसके बाद करीब डेढ़ घंटे बाद सड़क और रेल यातायात बहाल किया जा सका।

इस संबंध में आरपीएफ चौकी घाटमपुर के इंचार्ज राजकुमार ने बताया कि मामला उनके संज्ञान में है और दुर्घटना की जांच कराई जा रही है। वहीं रेलवे पथ निरीक्षक उपेंद्र कुमार ने बताया कि वह वर्तमान में अवकाश पर हैं और सोमवार को लौटने के बाद पूरे मामले की जांच करेंगे। गनीमत रही कि इस हादसे में कोई जनहानि नहीं हुई, अन्यथा रेलवे ट्रैक पर बड़ा हादसा हो सकता था। घटना के बाद क्षेत्र में सुरक्षा व्यवस्था और रेलवे गेट पर सावधानी बरतने की मांग भी उठने लगी है।

ईश्वर में अनुरक्ति ही वास्तविक भक्तिः पन्नालाल

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

भदोही। ब्रह्मज्ञान की प्राप्ति के उपरांत जब हृदय से भक्त और भगवान का संबंध स्थापित हो जाता है, तभी वास्तविक रूप में भक्ति का आरंभ होता है। भक्ति केवल एकतरफा प्रेम नहीं, बल्कि भगवान और भक्त के बीच ओत-प्रोत भाव की अवस्था है। यह विचार सदुरु माता सुदीक्षा जी महाराज के संदेशों को दोहराते हुए पन्नालाल ने निरंकारी सत्संग भवन, रजपुरा भदोही के प्रांगण में आयोजित संत समागम में व्यक्त किए।

उन्होंने कहा कि स्वार्थवश की गई ईश्वर स्तुति भक्ति नहीं कहलाती। भक्ति तो हर क्षण, हर कर्म में ईश्वर को स्मरण करते हुए जीवन जीने का नाम है, जो मनुष्य का स्वभाव बन जाना चाहिए। भक्त का जीवन तभी सच्चे अर्थों में भक्ति से परिपूर्ण होता है, जब उसके आचरण और व्यवहार से प्रेम, सेवा और सद्भाव की अनुभूति हो।

उन्होंने आगे कहा कि सत्गुरु के चरणों में स्वयं को समर्पित कर आनंदमय एवं उत्सवपूर्ण जीवन जीना ही सच्ची भक्ति है। गुरु के वचनों को सत्य मानकर जीवन में उतारना और हर पल शुकराने के भाव में रहना ही सच्चे भक्त की पहचान है। भक्त अपने दायित्वों का निर्वहन करते हुए दूसरों

के सुख-दुख में सहभागी बनकर समाज के लिए प्रेरणा का स्रोत बनता है। कार्यक्रम के अंत में स्थानीय संयोजक राजेश कुमार ने उपस्थित श्रद्धालुओं के प्रति आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर संत समागम में बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे।

शोहरतगढ़ विधानसभा क्षेत्र में सड़क विकास की एक और मिली सौगात

सिद्धार्थनगर, मुख्यमंत्री योगी आदित्य नाथ ने विधान सभा क्षेत्र शोहरतगढ़ के लिए एक और बड़ी विकासात्मक सौगात दी है, एन.एच.-730 के कि.मी. 408 से निकलकर धनौरा मुस्तहकम एस.एस.बी. कैम्प होते हुए अन्तर्राष्ट्रीय सीमा तक मार्ग में शोहरतगढ़ विधानसभा अंतर्गत 3.920 कि. मी. रोड की स्वीकृति प्रदान की और साथ ही वित्तीय स्वीकृति भी जारी करा दी।

यह जानकारी देते हुए विधायक विनय वर्मा ने बताया की इस महत्वपूर्ण सड़क के निर्माण से क्षेत्रवासियों को सुगम आवागमन, बेहतर कनेक्टिविटी और व्यापार-रोजगार के नए अवसर प्राप्त होंगे। सीमावर्ती क्षेत्र के विकास को इससे नई गति मिलेगी और आम जनता को प्रत्यक्ष लाभ पहुंचेगा। उन्होंने कहा कि डबल इंजन की सरकार में शोहरतगढ़ विधानसभा क्षेत्र निरंतर विकास की राह पर अग्रसर है। जनता के विश्वास और सहयोग से क्षेत्र के सर्वांगीण विकास के लिए मैं सदैव प्रतिबद्ध हूं।

टिकट मांगने के लिए जिला बीजेपी कार्यालय और गुवाहाटी बीजेपी कार्यालय में अपना आवेदन पत्र जमा कराए समाजसेवी मुन्नी छेत्री

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

श्रीभूमिः बिहार के बाद अब असम में भी 26 को विधानसभा चुनाव का माहौल चरम पर है। राज्य के विभिन्न क्षेत्रों में उम्मीदवारों के आवेदन पत्र जमा करने की होड़ चल रही है। पीछे नहीं है बराक घाटी भी। विभिन्न क्षेत्रों में उम्मीदवारों का बायोडाटा जमा करने का काम जारी है। हालांकि उत्तर करीमगंज की शासक दल की राजनीतिक हवा इस समय काफी गर्म हो चुकी है।

क्योंकि उत्तर करीमगंज में इस बार पार्टी के नामचीन नेता सुब्रत भट्टाचार्य, मिशन रंजन दास, आशीष नाथ, डॉ. मानस दास और पवित्र रंजन राय जैसे नेताओं के साथ बहुत बड़ा जनसमर्थन लेकर राजनीतिक मैदान में मुकाबला कर रही हैं समाजसेवा में लंबे समय से लगी महिला उम्मीदवार मुन्नी छेत्री। समाजसेवा आधारित कार्यों के माध्यम से लंबे समय से क्षेत्र के हिंदू और मुस्लिम दोनों समुदायों के दिल में जगह बना चुकी हैं मुन्नी छेत्री। इसलिए इस बार क्षेत्र की आम जनता के बीच ही भारी जनसमर्थन से पसंदीदा उम्मीदवार के रूप में उठता है समाजसेवी मुन्नी छेत्री का नाम। यहाँ तक कि कांग्रेस के मतदाता खुलकर सोशल मीडिया पर आकर कह रहे हैं कि यदि मुन्नी छेत्री को टिकट मिली तो वे एक ईमानदार और जनसेवी व्यक्ति के रूप में बीजेपी को वोट देंगे, अल्पसंख्यक मतदाता जहाँ किसी और उम्मीदवार को नहीं मानेंगे लोगों का कहना है। अब राजनीति में केवल यह देखने की बारी है कि आखिरकार उत्तर श्रीभूमि (करीमगंज) के सिंहासन का मुकुट किसके सिर पर सजाया जाता है।

VB ग्राम जी बिल के खिलाफ उठने से पहले आवाज़ कुचलने की साज़िश- कांग्रेस जिलाध्यक्ष की नज़रबंदी लोकतंत्र की हत्या

● आज़मगढ़ कांग्रेस का खुला ऐलानः दमन से नहीं रुकेगा संघर्ष

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

आज़मगढ़ VB ग्राम जी बिल और मनरेगा (MNREGA) को खत्म करने की साज़िश के खिलाफ आवाज़ उठाने से पहले ही आज़मगढ़ में भाजपा सरकार ने अपना असली तानाशाही चेहरा दिखा दिया। लोकतांत्रिक और शांतिपूर्ण विरोध से घबराई सरकार ने जिला कांग्रेस अध्यक्ष कौशल कुमार सिंह 'मुन्ना राय' सहित कांग्रेस नेताओं और कार्यकर्ताओं को उनके घरों में नज़रबंद कर लोकतंत्र का गला घोंटने का काम किया। इसके बावजूद जिला कांग्रेस कमेटी, आज़मगढ़ ने गांधी प्रतिमा, रैदोपुर पर उपवास रख यह साफ़ कर दिया कि कांग्रेस न डरती है, न झुकती है और न ही दमन से पीछे हटने वाली है। यह उपवास सत्ता के अहंकार के खिलाफ़ जनआक्रोश की चेतावनी है। कार्यक्रम से पहले रियाजुल हसन, बेलाल बेग, पूर्णमासी प्रजापति, दिनेश यादव, रामानंद सागर, धर्मराज चौहान, राकेश गुप्ता सहित कई कांग्रेसजनों की नज़रबंदी यह साबित करती है कि भाजपा सरकार अब सवालों का जवाब देने की स्थिति में नहीं है। जब सरकार तर्क हार जाती है, तब पुलिस और प्रशासन का इस्तेमाल करती है – आज़मगढ़ में वही हुआ।

जिला कांग्रेस कमेटी इस दमनात्मक कार्रवाई को असंवैधानिक, अलोकतांत्रिक और फासीवादी मानसिकता का परिचायक मानती है। यह सीधा-सीधा संदेश है कि गरीबों के हक़ की बात करना अब 'अपराध' बना दिया गया है। उपवास कार्यक्रम में वक्ताओं ने कहा कि ड्डक्क ग्राम जी बिल मनरेगा को सुधारने का नहीं, बल्कि उसे चरणबद्ध तरीके से खत्म करने का हथियार है। मांग-आधारित रोज़गार, समय पर भुगतान और ग्रामीण आजीविका सुरक्षा को खत्म कर करोड़ों गरीबों को भुखमरी की ओर धकेला जा रहा है। यह आर्थिक सुधार नहीं, सामाजिक अपराध है।

मनरेगा समन्वयक अजीत राय ने साफ़ कहा कि मनरेगा कोई दया-दान नहीं, बल्कि संविधान से मिला अधिकार है। ड्डक्क ग्राम जी बिल के ज़रिए सरकार मज़दूरों से उनका अधिकार छीनकर कॉरपोरेट-परस्त एजेंडे को आगे बढ़ाना चाहती है। भुगतान में देरी, काम में कटौती और बेरोज़गारी को बढ़ाना सरकार की सोची-समझी नीति है।

उपवास कार्यक्रम में राहुल राय, तेज बहादुर यादव, गिरीश चंद्र चतुर्वेदी, चंद्रपाल सिंह यादव, रमेश राजभर, मुन्नू यादव, मो. आमिर, संतोष सिंह, हरिओम उपाध्याय, शीला भारती, प्रेमा चौहान, प्रदीप यादव,

मंतराज यादव, केदार मौर्य, गुलाब राय, मुन्नू मौर्य, अमित पांडे, हरेंद्र सिंह, अंकित विश्वकर्मा सहित बड़ी संख्या में कांग्रेसजनों ने सरकार के खिलाफ निर्णायक संघर्ष का संकल्प लिया।

जिला कांग्रेस कमेटी, आज़मगढ़ खुला ऐलान करती है कि

» मनरेगा से छेड़छाड़ बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

» VB ग्राम जी बिल किसी भी कीमत पर स्वीकार नहीं किया जाएगा।

» नज़रबंदी, लाठी और दमन से कांग्रेस की आवाज़ नहीं दबेगी।

अगर सरकार समझती है कि घरों में बंद कर आंदोलन रोका जा सकता है, तो वह इतिहास नहीं जानती।

कांग्रेस की लड़ाई सड़क से सदन तक जाएगी।

यह लड़ाई रोज़गार की है।

यह लड़ाई संविधान की है।

और यह लड़ाई अब आर-पार की है।

जिला कांग्रेस कमेटी, आज़मगढ़

बसौठ ने गुंदेला को दी करारी शिकस्त, रोमांचक मुकाबले में 8 ओवरों में ही जीता मैच

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

हमीरपुरः- मुस्करा क्षेत्र के प्रसिद्ध रामचरित मानस क्रिकेट स्टेडियम, बिहूनी में आयोजित भव्य क्रिकेट टूर्नामेंट में आज एक बेहद रोमांचक मुकाबला खेला गया। यह मैच गुंदेला और बसौठ की टीमों के बीच हुआ, जिसमें बसौठ ने अपनी शानदार बल्लेबाजी और आक्रामक खेल के दम पर जीत दर्ज की टूर्नामेंट कमेटी के सदस्य अनिल खटीक ने जानकारी देते हुए बताया कि मैच की शुरुआत में गुंदेला की टीम ने टॉस जीता और पहले बल्लेबाजी करने का साहसिक निर्णय लिया। निर्धारित 12 ओवरों के खेल में गुंदेला की टीम ने 9 विकेट के नुकसान पर 73 रन बनाए। विपक्षी टीम की कसी हुई गेंदबाजी के सामने गुंदेला के बल्लेबाज बड़ा स्कोर खड़ा करने के लिए संघर्ष करते नजर आए

74 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी बसौठ की टीम ने शुरुआत से ही आक्रामक रुख अपनाया। बसौठ के बल्लेबाजों ने मैदान के चारों ओर शॉट लगाए और मात्र 8 ओवरों में ही 74 रन बनाकर अपनी टीम को एकतरफा जीत दिला दी खेल को निष्पक्ष और सुचारू रूप से चलाने के लिए सत्येन्द्र वर्मा और महेश अनुरागी ने अम्पायर की महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। वहीं, कुलदीप यादव ने अपनी शानदार कमेंट्री और आंखों देखे हाल से दर्शकों को पूरे समय बांधे रखा और मैच में जोश भर दिया। इस दौरान बड़ी संख्या में खेल प्रेमी मौजूद रहे, जिन्होंने खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन किया।

विद्यालय के कर्मचारी की विदाई समारोह आयोजित किए गए

मीरजापुर। विंध्य विधा पीठ इन्टर कालेज में तैनात कर्मचारी प्रेम कुमार की विधालय प्रांगण में विदाई समारोह आयोजित किए गए। विद्यालय के प्रबंधक त्रिपुरारी नारायण त्रिपाठी पंडित शिव राम मिश्रा व प्रधानाचार्य जगन्नाथ प्रसाद द्वारा संयुक्त रूप से मां विंध्यवासिनी देवी माता की तस्वीर एवं भगवत गीता की पुस्तक शाल भेंट माल्यार्पण कर विदाई किया गया। इस दौरान विद्यालय के प्रधानाचार्य सहित सहित विद्यालय के अध्यापक एवं अध्यापिका विदाई समारोह में शामिल रहे। इस दौरान विद्यालय के प्रबंधक त्रिपुरारी नारायण त्रिपाठी, सह प्रबंधक पंडित शिव राम मिश्रा,कुबेर मिश्रा विद्यालय के प्रधानाचार्य जगन्नाथ प्रसाद, रघुनाथ प्रताप सिंह, मंच का संचालन का संचालन महेंद्र ने किया विद्यालय के बड़े बाबू शुख्खू सोनकर, पंचानन पाठक, हेमचंद अजय मौर्या अश्वनी कुमार महेंद्र सिंह सहित कई अन्य लोग मौजूद रहे।

इलेक्ट्रो होम्योपैथी के आविष्कारक डॉ मैटी का 217वां जन्मोत्सव धूमधाम से मनाया गया

● जिले में लगेंगे इलेक्ट्रो होम्योपैथिक के निःशुल्क चिकित्सा शिविर- डॉ निगम

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

हमीरपुरः- इलेक्ट्रो होम्योपैथिक के आविष्कारक डॉ काउंट सीजर मैटी का 215वां जन्म दिन जिला प्रभारी ईएच गणेश सिंह की अध्यक्षता में कानपुर से आये एसटीसी विवेक दीक्षित एवं सुनील वर्मा ने दीप प्रज्ज्वलित कर एवं केक काटकर इलेक्ट्रो होम्योपैथिक धर्मार्थ चिकित्सालय पटकाना हमीरपुर में धूमधाम से मनाया गया। कार्यक्रम में इलेक्ट्रो होम्योपैथिक मेडिकल एसोसिएशन ऑफ इंडिया के बुन्देलखण्ड प्रभारी ई.एच. डॉ नरेन्द्र भूषण निगम ने कहा कि इलेक्ट्रो होम्योपैथी की चिकित्सा व इलेक्ट्रो होम्योपैथी की औषधियों द्वारा जनमानस को लगातार 33 वर्षों से पटकाना में स्थित इलेक्ट्रो होम्योपैथी धर्मार्थ चिकित्सालय द्वारा निशुल्क दी जा रही है। जहां पर दूरदराज़ से असाध्य रोगी आकर अपना इलाज करवा रहे हैं और उनको शत प्रतिशत सफलता मिल रही है। इसी क्रम में डॉ निगम ने कहा कि इलेक्ट्रो होम्योपैथी चिकित्सा के क्षेत्र में एक नया कीर्तिमान स्थापित करेगी। चिकित्सक अपने कर्तव्य पर डटे रहें। धर्मार्थ चिकित्सालय की चिकित्सक डॉ. मानसी पटेल व सहायक चिकित्सक डॉ. स्वाती खरे ने बताया कि इलेक्ट्रो होम्योपैथी धर्मार्थ चिकित्सालय में सबसे ज्यादा पी.सी.ओ.डी. व बच्चेदानी में गांठ एवं रक्त अल्पता से पीड़ित महिलाएं व बीस से पचीस वर्ष की युवतियां इलाज हेतु प्रतिदिन आया करती हैं। ये बीमारियां आजकल के खान-पान से व रसायनों के प्रयोग से बढ़ रही हैं। इसी क्रम में जिला इलेक्ट्रो होम्योपैथी प्रभारी डॉ गणेश सिंह विद्यार्थी ने कहा कि इलेक्ट्रो होम्योपैथी भारत सरकार व उत्तर प्रदेश शासन चिकित्सा अनुभाग-6 के आदेशों के अनुरूप कार्य करते हुए आगे बढ़ रही है। उत्तर प्रदेश में शासन द्वारा अधिकृत संस्था बोर्ड आफ इलेक्ट्रो होम्योपैथिक मेडिसिन उत्तर प्रदेश लखनऊ ही है जिसके द्वारा पंजीकृत चिकित्सक इलेक्ट्रो होम्योपैथी की औषधियों

द्वारा चिकित्सा करने के लिए अधिकृत हैं। अमौली से आये हुए ईएच डॉ देवानंद सागर ने कहा कि हम गांव-गांव में जाकर निशुल्क चिकित्सा शिविर आयोजित करते हैं व लोगों को इलेक्ट्रो होम्योपैथी की चिकित्सा द्वारा रोग मुक्त करते हैं तथा जागरूकता पैदा करते हैं। कार्यक्रम में डॉ मानसी, डॉ सुनीता सागर, वरिष्ठ कानूनी सलाहकार अंकुर निगम एडवोकेट, डॉ अरुण त्रिपाठी, डॉ भूपेंद्र, डॉ पुन्ना लाल साहू, डॉ नईम कुरैशी, डॉ दुर्गेश, डॉ स्वाती खरे, डॉ रंजना, डॉ रजनीश खरे, डॉ चन्द्रभूषण, डॉ नम्रता, अंश निगम, डॉ कंचन गुता उपस्थित रहे।